वार्षिकप्रतिवेदनम्

(ANNUAL REPORT)

सत्रम् 2019 - 20

विक्रमसम्वत् २०७६ – ७७

(1 जुलाई 2019- 30 जून 2020)

प्रकाशकः

कुलसचिवः

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA

देवासमार्गः, उज्जयिनी (मध्यप्रदेशः)- 456010

Email: regpsvvmp@rediffmail.com, Website:

www.mpsvvujjain.org

Phone:- 0734-2922037

वार्षिक प्रतिवेदन

(ANNUAL REPORT)

संस्कृत भाषा एवं प्राचीन ज्ञान-विज्ञान परम्परा के संरक्षण अभिवर्धन एवं उन्मुखीकरण के लिए मध्यप्रदेश शासन के संकल्प से महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम 2006 क्रमांक 15 सन् 2008 द्वारा मध्यप्रदेश की प्राचीन पौराणिक नगरी उज्जैन में महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय की स्थापना की गयी। अपने स्थापना वर्ष से वर्तमान सत्र तक इस विश्वविद्यालय को स्थापित हुए कुल 12 वर्ष की अवधि पूर्ण हो चुकी है। यह विश्वविद्यालय सकारात्मक सृजन एवं उत्कर्ष की मूल भावना के साथ शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं राष्ट्रोत्थान के नैतिक उत्तरदायित्व निभाने में सक्षम नागरिकों के निर्माण हेतु कृतसंकल्प है। भारतीय संस्कृति के मूल सिद्धान्तों में निहित ज्ञाननिष्ठ, समावेशी, उदात्त, सहिष्णु एवं सार्वभौमिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए समर्पित यह विश्वविद्यालय उत्तरोत्तर प्रगति पथ पर अग्रसर है। संस्कृतभाषा, प्राचीन शास्त्र परम्परा,भारतीय शिक्षा के सन्दर्भ में मूल्यपरक अध्ययन-अध्यापन, अनुसन्धान तथा गवेषणा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। वर्तमान सत्र के क्रियाकलापों सहित विश्वविद्यालय के शैक्षणिक वर्ष दिनांक 01 जुलाई 2019 से 30 जून 2020 तक का वार्षिक प्रतिवेदन महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय, अधिनियम 2006 क्रमांक 15 सन् 2008 की धारा 43 के अन्तर्गत प्रस्तुत है।

कुलसचिव

विश्वविद्यालय का प्रतीकचिह्न तथा आदर्शवाक्य

प्रतीकचिह्न –महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन की स्थापना के उपरान्त विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने हेतु एक प्रतीकचिह्न को स्वीकार किया गया है। इस प्रतीक चिह्न में आभायुक्त देदीप्यमान सूर्य, महाकालेश्वर मन्दिर का उत्तुंग शिखर, कलश एवं ध्वजा विद्यमान है। चिह्न के मध्य में प्रफुल्लित पद्मपुष्प (कमल पुष्प), पद्मपत्र (कमल के पत्ते), वाम एवं दक्षिण दिशा की ओर मुख किये हुए हंसयुगल विद्यमान हैं जो कि निर्मल प्रवहमान जलधारा में स्थित हैं।

विश्वविद्यालय का प्रतीकचिह्न भारतीय चिन्तनसरणि, उदात्तमनीषा, सत्संकल्प तथा दिव्यसंस्कार को अभिव्यञ्जित करता है। आभायुक्त सूर्य की दिव्य कान्ति सत्य एवं ज्ञान के प्रकाश तथा तप की द्योतक है। महाकालेश्वर मन्दिर का उत्तुंग शिखर श्रेष्ठता, उत्कर्ष एवं उन्नति तथा कलशज्ञानामृत के संग्रह एवं संरक्षण का परिचायक है। प्रवहमान ध्वजा उत्साह, ओज एवं प्रसार की सूचक है। प्रफुल्लित कमलपुष्प विविधता में एकात्मता के साथ समृद्धि, पवित्रता, सौन्दर्य तथा सुगन्धि का सन्देश दे रहा है। कमलपत्र निष्काम कर्मयोग एवं समर्पण भाव को अभिव्यक्त कर रहे हैं। हंसयुगल सौम्यता, शुभ्रता, गुणग्राहिता, विवेकशीलता एवं ज्ञान-विज्ञान के परिचायक हैं तथा प्रवाहमान निर्मल जलधारा शास्त्र परम्परा एवं संस्कृति को अविरल प्रवाहमान रखने, अग्रसारित करने एवं दोषरहित रखने की द्योतक है।

आदर्शवाक्य– विश्वविद्यालय का आदर्श एवं ध्येयवाक्य **''संस्कृतं नाम दैवीवाक्''** है। यह आदर्शवाक्य महाकवि दण्डीकृत काव्यादर्श के प्रथम परिच्छेद की 33वीं कारिका का प्रथम चरण है जिसका भावार्थ है - ''महर्षियों ने संस्कृतभाषा को दिव्यवाणी कहा है''। संस्कृत भाषा पूर्णत: शुद्ध, परिष्कृत, दोष रहित एवं संस्कार युक्त है, अत: दैवी (दिव्य) भाषा है, जिसके व्यवहार मात्र से व्यक्ति देवत्व को प्राप्त होता है।

इस प्रकार विश्वविद्यालय का प्रतीक चिह्न स्वत: अध्यात्म, दर्शन, ज्ञान, विज्ञान, परम्परा, उत्साह, समृद्धि, विवेक तथा संस्कृति के प्रवास का दिव्य समन्वय है।

लक्ष्य वाक्य

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के जनक और अधिष्ठाता यह संकल्प लेते हैं कि यह विश्वविद्यालय शास्त्रीय मर्यादा की रक्षा करते हुए देव भाषा संस्कृत तथा उससे निष्पन्न अन्य भाषाओं एवं उनके साहित्य, उनमें उपलब्ध प्राचीन ज्ञान के विशाल सागर जिसमें वैदिक साहित्य और वेदांग तथा उन पर विकसित सम्पूर्ण आगमिक साहित्य, प्राचीन विज्ञान जैसे आयुर्वेद, ज्योतिर्विज्ञान, भूमिति, गणित, रसायनशास्त्र, धातुशास्त्र, ऋतुविज्ञान, विमानशास्त्र, युद्धशास्त्र, अश्वशास्त्र, प्राचीन प्राणिशास्त्र, वनस्पतिशास्त्र तथा पंच भूतात्मक पर्यावरण से सम्बन्धित विज्ञान, स्थापत्य, वास्तुशिल्प, दृश्य, अभिनेय तथा श्रव्य कलाएँ, दण्डनीति तथा अर्थशास्त्र, धर्मशास्त्र, प्राचीन प्रशासनिक एवं नैयायिक विधान, पारम्परिक इतिहास, सभ्यताओं के आरोह-अवरोह तथा दर्शन की सभी शाखाओं वैदिक-अवैदिक, भारतीय तथा पश्चिमी का संरक्षण, समुन्नयन एवं प्रचार-प्रसार करेगा, जिससे वैश्विक ज्ञान का क्षितिज विस्तृत हो एवं वर्तमान वैश्विक समाज के समक्ष सामाजिक और सारस्वत स्तर पर जो प्रश्न आज खड़े हुए हैं, उनके समुचित उत्तर प्राप्त हो सकें, जिससे स्पष्टतर दिशाओं के उद्घाटन से अधिक सामंजस्यपूर्ण जगत् एवं सुखी मानवता के लिये मार्ग प्रशस्त हो सके। इस प्रयोजन के लिये विश्वविद्यालय अपने परिसर में तथा सम्बद्ध महाविद्यालयों के माध्यम से वैश्विक मानदण्ड अपनाते हुए अध्ययन, अध्यापन और शोध सम्बन्धी सेवाएँ प्रदान करेगा।

विश्वविद्यालय की स्थापना एवं आरम्भ

1. संस्कृत भाषा एवं प्राचीन ज्ञान-विज्ञान परम्परा के संरक्षण अभिवर्धन एवं उन्मुखीकरण के लिए मध्यप्रदेश की प्राचीन पौराणिक नगरी उज्जैन में मध्यप्रदेश शासन के संकल्प से संस्कृत विश्वविद्यालय स्थापित करने का निर्णय लिया गया। इस हेतु शासन द्वारा **"महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम 2006 (क्रमांक 15 सन् 2008)"** के अन्तर्गत 15 अगस्त 2008 को 'महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय' उज्जैन की स्थापना की गई।

2. स्थापना के उपरान्त दिनांक 17 अगस्त 2008 को मध्यप्रदेश राज्य के तत्कालीन मुख्यमन्त्री माननीय श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में तत्कालीन राज्यपाल एवं कुलाधिपति माननीय श्री डॉ. बलराम जाखड़ द्वारा विश्वविद्यालय का विधिवत् शुभारम्भ किया गया। उज्जैन के देवास मार्ग स्थित बृजमोहन बिड़ला शोध संस्थान परिसर में शुभारम्भ विधि को सम्पन्न किया गया जिसमें स्थानीय जनप्रतिनिधियों सहित प्रशासन एवं गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

3. क्षिप्रांजलि न्यास की भूमि में स्थित बृजमोहन बिड़ला शोध संस्थान परिसर के भवन में किराया अनुबन्ध के आधार पर कक्षों को आवंटित कर विश्वविद्यालय का प्रशासनिक कार्यालय दिनांक 17 अगस्त 2008 से विधिवत् प्रारम्भ किया गया। प्रशासनिक कार्यों के अतिरिक्त स्थान की उपलब्धता के आधार पर अध्ययन-अध्यापन आरम्भ करने की दृष्टि से इसी भवन में छात्रों के उपयोग हेतु पुस्तकालय एवं शैक्षणिक कार्यों की गतिविधियाँ भी आरम्भ की गईं।

4. विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु सुरम्य परिसर निर्माण एवं शैक्षणिक उपयोग के लिए मध्यप्रदेश शासन द्वारा उज्जैन नगर के देवास मार्ग पर सीमान्त ग्राम मानपुरा/लालपुर में मुख्य मार्ग पर 10 हेक्टेयर (25 एकड़) भूमि का आवंटन किया गया। विश्वविद्यालय के लिए आवण्टित भूमि का अवलोकन एवं भूमि पूजन मध्यप्रदेश शासन के तत्कालीन मुख्यमन्त्री श्री शिवराजसिंह चौहान के कर-कमलों द्वारा दिनांक 22 जनवरी 2009 को सम्पन्न हुआ।

5. विश्वविद्यालय की स्थापना के मूल सिद्धान्तों को विस्तारित करने के उद्देश्य से दिनांक 25.03.2010 को मध्यप्रदेश विधानसभा द्वारा **'महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय, उज्जैन** के अधिनियम में **'एवं वैदिक'** शब्द को जोड़ने के सम्बन्ध में संशोधन प्रस्ताव पारित किया गया। उक्त संशोधन पारित होने के उपरान्त इस विश्वविद्यालय का नाम **'महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय'** के स्थान पर **'महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय'** हुआ।

विश्वविद्यालय की अधोसंरचना एवं विकास कार्य

- विश्वविद्यालय की अधोसंरचना एवं विकास कार्यों के लिए मध्यप्रदेश राज्य शासन से भवन निर्माण, आर.सी.सी. एप्रोच रोड, विद्युतीकरण आदि सम्पूर्ण परिसर के विकास हेतु देवास मार्ग स्थित उज्जैन नगर के सीमान्त भाग में ग्राम मानपुरा/लालपुर में मुख्य मार्ग पर 10 हेक्टेयर भूमि का आवंटन किया गया है।
- भूमि का सर्वे कार्य सम्पन्न होने के पश्चात् वास्तुविद् (आर्किटेक्ट) द्वारा विश्वविद्यालय की भूमि का परीक्षण कर अधोसंरचना विकास हेतु प्रकल्प विन्यास (Concept Planning), शिल्प विन्यास (Architectural Drawing) एवम् अधिविन्यास (Layout) तैयार किया गया है, जिसके अनुसार परिसर में निर्माण कार्य प्रस्तावित हैं।

- मध्यप्रदेश शासन के माननीय राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलाधिपति जी के द्वारा दिनांक 18 जून 2010 को देवास मार्ग स्थित विश्वविद्यालय परिसर का विधिवत् शिलान्यास सम्पन्न किया गया।

- प्रारम्भिक तौर पर विश्वविद्यालय की अधोसंरचना विकास एवं स्थापना हेतु मध्यप्रदेश शासन द्वारा पाँच (5) करोड़ रुपये की राशि प्रदान की गयी। उक्त राशि से विश्वविद्यालय परिसर में प्रारम्भिक निर्माण कार्य किए गये हैं, जिनमें भूमि विकास कार्य, आर.सी.सी. एप्रोच रोड, भूमि का समतलीकरण, परिसर की बाउन्ड्रीवॉल, यूटिलिटी ब्लॉक, पार्किंग शेड, शिक्षण हेतु पाँच कक्ष, पतंजलि छात्रावास आदि का निर्माण कार्य शासकीय निर्माण संस्था द्वारा पूर्ण किया जा चुका है।

- विश्वविद्यालय परिसर में अधोसंरचना विकास एवं निर्माण कार्यों के लिए रु. 68.5 करोड़ के अनुदान हेतु प्रस्ताव शासन के समक्ष प्रस्तुत किये गये थे। प्रथम चरण में रु. 19 करोड़ का अनुदान स्वीकार करने का प्रस्ताव रखा गया था जिसके अन्तर्गत विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु सन् 2008 में मात्र रुपये 5 करोड़ का स्थापना अनुदान ही प्रदान किया गया था। शासन द्वारा प्रदान किये गये उक्त अनुदान के अतिरिक्त विश्वविद्यालय के अधोसंरचना विकास व निर्माण कार्यों हेतु अन्य कोई भी अनुदान शासन द्वारा अभी तक प्रदान नहीं किया गया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति एवं उनका कार्यकाल

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन की स्थापना के उपरान्त विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति के रूप में डॉ. मोहन गुप्त (IAS एवं पूर्व सम्भागीय कमिश्नर, उज्जैन) को नियक्त किया गया था। तदुपरान्त अग्रिम वर्षों में अद्यावधि कार्यकाल पूर्ण करने वाले एवं वर्तमान माननीय कुलपतिगणों का विवरण अधोलिखित है –

क्र.	कुलपति का नाम	दिनांक से	दिनांक तक
1.	डॉ. मोहन गुप्त	17.08.2008	29.08.2011
2.	प्रो. मिथिलाप्रसाद त्रिपाठी	30.08.2011	11.02.2015
3.	प्रो. रमेशचन्द्र पण्डा	12.02.2015	11.02.2019
4.	प्रो. आशा शुक्ला (प्रभारी)	20.02.2019	08.03.2019
5.	डॉ. पंकज एल. जानी	08.03.2019	18.01.2021
6.	डॉ. अखिलेश कुमार पाण्डेय	19.01.2021	निरन्तर

विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं उनका कार्यकाल

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन की स्थापना के उपरान्त विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलसचिव के रूप में डॉ. बी.एल. बुनकर को नियुक्त किया गया था। तदुपरान्त अग्रिम वर्षों में अद्यावधि कार्यकाल पूर्ण करने वाले एवं वर्तमान कुलसचिवों का विवरण अधोलिखित है –

क्र.	कुलसचिव का नाम	दिनांक से	दिनांक तक
1	डॉ.बी.एल. बुनकर	17.08.2008	10.06.2010
2	श्री मनोज कुमार तिवारी	10.06.2010	24.06.2015
3	श्री राकेश कुमार चौहान	01.09.2015	10.07.2018
4	श्री मनोज कुमार तिवारी	24.07.2018	13.03.2019
5	डॉ. एल.एस. सोलंकी	13.03.2019	12.01.2021
5	डॉ. प्रशांत पुराणिक	13.01.2021	निरंतर

इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय में उपकुलसचिव के रूप में डॉ. ए.वी. राव पदस्थ रहे, जिन्होंने परीक्षा एवं प्रशासन के दायित्वों का निर्वहन किया।

विश्वविद्यालय के प्राधिकारी

महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम 2006 क्रमांक 15 सन् 2008 की धारा 10 के अनुसार विश्वविद्यालय के प्राधिकारी निम्नलिखित हैं –

(1) साधारण परिषद्

(2) कार्यपरिषद्

(3) विद्यापरिषद्

(4) वित्त समिति, और

(5) ऐसे अन्य प्राधिकारी, जो विनियमों द्वारा विहित किये जायें।

साधारण परिषद्

महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनिय 2006 क्रमांक 15 सन् 2008 की धारा 11(1) के अनुसार विश्वविद्यालय की साधारण परिषद् का गठन किया गया है। जिसमें निम्नलिखित सदस्य हैं–

एक - पदेन सदस्य

(एक)	मध्यप्रदेश का मुख्यमंत्री	-	अध्यक्ष
(दो)	मध्यप्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा विभाग का भारसाधक मन्त्री	-	उपाध्यक्ष
(तीन)	मध्यप्रदेश सरकार के वित्त विभाग का भारसाधक मन्त्री	-	सदस्य
(चार)	विश्वविद्यालय का कुलपति	-	सचिव
(पाँच)	मध्यप्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा विभाग का प्रमुख सचिव/सचिव	-	सदस्य
(छ:)	मध्यप्रदेश सरकार के वित्त विभाग का प्रमुख सचिव/सचिव	-	सदस्य
(सात)	आयुक्त, उच्च शिक्षा, मध्यप्रदेश	-	सदस्य

दो – नाम निर्देशित सदस्य

(आठ) मध्यप्रदेश के संस्कृत महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों से संस्कृत अध्यापक/आचार्य के छह प्रतिनिधि, जो संस्कृत में चर्चा या विचार-विमर्श में भाग लेने में समर्थ हों।

(2) खण्ड (आठ) के अधीन सदस्य राज्य सरकार द्वारा नामनिर्दिष्ट किए जाएँगे।

विश्वविद्यालय अधिनियम की धारा 13 (1) उपधारा (2) तथा (3) के उपबन्धों के अध्यधीन रहते हुए साधारण परिषद् के सदस्यों की पदावधि चार वर्ष है।

वर्तमान में साधारण परिषद् में नाम निर्दिष्ट सदस्यों का कार्यकाल दिनांक 03/11/2015 को पूर्ण हो चुका है। नवीन सदस्यों का नाम निर्देशन किया जाना प्रस्तावित है।

कार्यपरिषद्

महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम 2006 क्रमांक 15 सन् 2008 की धारा 16 (1) के अनुसार विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद् का गठन किया गया है। कार्यपरिषद् विश्वविद्यालय का मुख्य कार्यकारी निकाय है। विश्वविद्यालय का प्रशासन, प्रबन्धन तथा नियन्त्रण और उसकी आय, कार्यपरिषद् में निहित है, जो विश्वविद्यालय की सम्पत्ति तथा निधियों को नियन्त्रित और प्रशासित करती है।

विश्वविद्यालय की विविध समितियाँ

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं विश्वविद्यालय, उज्जैन के प्रशासनिक, शैक्षणिक अकादमिक, वित्तीय एवं अन्य कार्यों के सुचारू रूप से संचालन एवं सम्पादन करने के लिए विश्वविद्यालय विनियमों/परिनियमों में विहित प्रावधान अनुसार प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए माननीय कुलपति महोदय द्वारा प्रशासनिक आदेशानुसार विविध समितियों का विधिपूर्वक गठन किया गया है, जिनका विवरण निम्नानुसार है-

उपर्युक्त समिति के अतिरिक्त अन्य समितियाँ निम्नलिखित हैं -

1. **विद्या परिषद्**
2. **वित्त समिति**
3. **भवन समिति**
4. **आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC)**
5. **क्रय समिति**
6. **मुद्रण एवं प्रकाशन समिति**
7. **छात्रावास स्थायी समिति**
8. **व्यथा निवारण समिति**
9. **महिला उत्पीड़न निवारण समिति**
10. **महिला विकास समिति**
11. **प्रवेश समिति**
12. **केन्द्रीय परीक्षा समिति**
13. **शोधोपाधि समिति (RDC)**
14. **विभागीय शोध समिति/शोध सलाहकार समिति**
15. **क्रीड़ा समिति**
16. **साहित्यिक समिति**
17. **आकादमिक समिति**

18. **सांस्कृतिक समिति**

19. **युवामहोत्सव आयोजन समिति**

20. **अनुसुचित जाति/जनजाति व्यथा निवारण समिति**

विश्वविद्यालय की प्रशासनिक व्यवस्था

- महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन में शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक वर्ग की नियुक्ति हेतु दिनांक 31.08.2008 को स्टाफिंग पेटर्न शासन को भेजा गया था। इसमें 50 शैक्षणिक तथा 223 गैर शैक्षणिक पदों की स्वीकृति हेतु शासन के समक्ष प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया।
- दिनांक 29.03.2010 को प्रमुख सचिव, वित्त विभाग के समक्ष उनके कक्ष में आयुक्त, उच्च शिक्षा विभाग, अपर सचिव, राजभवन तथा तत्कालीन कुलपति, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन की संयुक्त बैठक में 30 शैक्षणिक एवं 17 गैर-शैक्षणिक पदों हेतु वित्त विभाग, मध्यप्रदेश शासन ने स्वीकृति प्रदान की थी। तदनुसार उच्च शिक्षा विभाग के आदेश क्रमांक एफ-1-11/3-38, दिनांक 10/08/2010 द्वारा स्वीकृत पदों का विवरण निम्नानुसार है:-

- **शैक्षणिक-**

क्र.	पद का नाम	पद
1	प्रोफेसर	05
2	एसोसिएट प्रोफेसर	10
3	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	15
	कुल पद	**30**

- **गैर-शैक्षणिक-**

क्र.	पद का नाम	पद
1	कुलपति	01
2	कुलसचिव	01
3	वित्त अधिकारी (म.प्र. राज्य वित्त सेवा से)	01
4	स्टेनो	01
5	सहायक ग्रेड 3	03

6	भृत्य	04
7	सुरक्षाकर्मी एवं चौकीदार (कलेक्टर दर पर)	02
8	विश्वविद्यालय अभियंता (प्रतिनियुक्ति पर)	01
9	ड्रायवर	02
10	स्वीपर (कलेक्टर दर पर)	01
	कुल पद	17

उपर्युक्त सारणी में प्रदर्शित शैक्षणिक पदों पर में से 7 पदों की पूर्ति की जा चुकी है तथा शेष 23 पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया प्रस्तावित है।

गैर शैक्षणिक पदों में से 7 गैर शैक्षणिक पदों पर नियुक्तियाँ की जा चुकी हैं। 02 पदों पर कुलपति एवं कुलसचिव कार्यरत रहे। मध्यप्रदेश राज्य वित्त सेवा से वित्त नियन्त्रक के पद पर सेवारत अधिकारी विश्वविद्यालय के वित्ताधिकारी के रूप में कार्यरत रहे। शेष पदों को पुनः विज्ञापित किया जाना प्रस्तावित है।

विश्वविद्यालय के विविध संकायों के अन्तर्गत संचालित विभागों में शैक्षणिक सत्र 2018-19 में निम्नलिखित प्राध्यापक कार्यरत हैं :-

क्र.	नाम	पद
1.	प्रो. मनमोहन लाल उपाध्याय	निदेशक (प्रोफेसर)
2.	डॉ. तुलसीदास परौहा	ऐसोसिएट प्रोफेसर (साहित्य)
3	डॉ. श्रीमती पूजा उपाध्याय	असिस्टेन्ट प्रोफेसर (भारतीय दर्शन)
4	डॉ. शुभम् शर्मा	असिस्टेन्ट प्रोफेसर (ज्योतिर्विज्ञान)
5	डॉ. अखिलेश कुमार द्विवेदी	असिस्टेन्ट प्रोफेसर (नव्यव्याकरण)
6	डॉ. उपेन्द्र भार्गव	असिस्टेन्ट प्रोफेसर(सिद्धान्त ज्योतिष)
7	डॉ. संकल्प मिश्र	असिस्टेन्ट प्रोफेसर (शुक्लयजुर्वेद)

विश्वविद्यालय की माननीय विद्यापरिषद् एवं कार्यपरिषद् के निर्णय एवं मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग से स्वीकृति प्राप्त होने के उपरान्त विश्वविद्यालय में स्वीकृत 05 प्रोफेसर के पदों में से एक पद को संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण तथा ज्ञान विज्ञान संर्वधन केन्द्र के निदेशक (प्रोफेसर) के रूप में भरा गया। उक्तक पद पर दिनांक 19.06.2018 से डॉ. मनमोहन लाल उपाध्याय निदेशक (प्रोफेसर) के रुप में कार्यरत हैं ।

गैर-शैक्षणिक पदों में सहायक ग्रेड-3 पद हेतु 01,भृत्य पद हेतु 04 तथा वाहन चालक पद हेतु 02 कर्मचारी वर्तमान वर्ष में कार्यरत रहे। विश्वविद्यालय का प्रशासनिक कार्य सुचारु रूप से चलाने हेतु राज्य शासन से स्वीकृत पदों के अतिरिक्त गैर- शैक्षणिक पद सृजित करने का अनुरोध किया गया है जिस पर शासन का निर्णय अपेक्षित है।

विश्वविद्यालय में प्रतिवेदनाधीन अवधि में प्रशासनिक व्यवस्था निम्नानुसार रही:-

क.	प्रशासनिक पद	अधिकारी का नाम	कार्यकाल की स्थिति
1.	कुलपति	डॉ. पंकज एल. जानी	08.03.2019 से निरन्तर
2.	उपकुलपति	प्रो. मनमोहन उपाध्याय	04.02.2019 से निरन्तर
3.	कुलसचिव	डॉ.एल.एस. सोलंकी	13.03.2019 से निरन्तर
4.	वित्त नियन्त्रक	श्री एच. एस. गेहलोत	25.07.2019 से निरन्तर
5.	वि.क.अ.(OSD,परीक्षा)	डॉ. तुलसीदास परौहा	15.04.2019 से निरन्तर
6.	वि.क.अ.(OSD,प्रशासन)	डॉ. उपेन्द्र भार्गव	15.04.2019 से 20.03.2020
7.	वि.क.अ.(OSD,वित्त)	डॉ. संकल्प मिश्र	15.04.2019 से निरन्तर

परिसर विकास की योजनाओं का वित्तीय अनुमान

राज्य शासन की नीति अनुरूप संस्कृत विश्वविद्यालय को उत्कृष्ट बनाने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय की भवन निर्माण तथा परिसर विकास की योजनाओं का आँकलन किया गया तथा आवश्यकतानुसार समय-समय पर राज्यशासन को वित्तीय प्रावधान करने तथा विश्वविद्यालय को तदनुसार धनराशि सुविधानुसार उपलब्ध हो सके, इस परिप्रेक्ष्य में विश्वविद्यालय परिसर में निर्माण तथा परिसर की आवश्यकता का प्रारम्भिक आँकलन विश्वविद्यालय के वास्तुविद् से कराया गया है। विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, प्रशासनिक सुविधाओं, स्टाफ की सुविधाओं, विद्यार्थियों की सुविधाओं तथा परिसर के विकास के लिये लगभग रुपये 42 करोड़ का प्रारम्भिक व्यय आँका गया है। प्रस्तावित भवन निर्माण तथा परिसर विकास की संक्षिप्त रूपरेखा निम्नानुसार है:-

MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDHYALAYA, UJJIAN		
SUMMARY		
S. No.	ITEM DESCRIPTION	AMOUNT
1	ACADEMIC FACULTIES	41119160/-
2	ADIMINISTRATIVE BLOCK	15913640/-
3	AUDITORIUM	20860480/-
4	GUEST HOUSE	19005072/-

5	RESIDENTIAL QUARTERS	54792968/-
6	STAFF(OFFICE)	15792440/-
7	REGISTERAR BUNGALOW	5646560/-
8	VICE CHANCELLOR BUNGALOW	8415840/-
9	BOYS HOSTEL	45864690/-
10	GIRLS HOSTEL	13470120/-
11	LIBRARY & SEMINAR HALL	31082160.63/-
12	BHARAT KA RANGMANCH	6568650/-
13	VEDH SHALA	15536700/-
14	CLUB HOUSE	436130/-
15	DISPENCERY	1977345/-
16	CONVENIETNT SHOPPING	7258500/-
17	OPEN AIR THEATER	12605175/-
18	SWIMMING POOL	12459730/-
19	OUTER DEVELOPMENT	45106250/-
	TOTAL	**377836610.63/-**
	Add for Contingencies, Consultancy, Work Charge Establishment @ 10.65%	**40239599.03/-**
	Grand Total	**418076209.66/-**
	Say Rs. In Cr.	**41.81/-**

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अन्तर्गत मान्यता

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) नई दिल्ली अधिनियम की धारा 2 (f) के अधीन मान्यता प्राप्त है। विश्वविद्यालय द्वारा यू.जी.सी. की धारा 12 (बी) के अन्तर्गत मान्यता एवं आर्थिक अनुदान प्रदान करने के लिये पात्रता हेतु पत्र क्रमांक 2713, दिनांक 10 सितम्बर 2010 द्वारा आवेदन किया गया था। आर्थिक अनुदान की पात्रता प्रदान करने के लिये आयोग द्वारा शर्तें निर्धारित की गई हैं जिन्हें पूर्ण करने के उपरान्त ही विश्वविद्यालय को अनुदान प्राप्त हो सकेगा।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अधिनियम की धारा 12 (बी) में मान्यता प्राप्त होने के उपरान्त विश्वविद्यालय की विकासात्मक योजनाओं का मार्ग प्रशस्त हो सकेगा।

विश्वविद्यालय के संकाय एवं विभाग

महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम, 2006 क्र. 15 सन् 2008 की धारा 24 (तीन) एवं 33 (ञ) के अन्तर्गत् विनिर्मित परिनियम क्र. 15 के अनुसार प्रस्तुत प्रतिवेदन के सन्दर्भ में आलोच्य वर्ष में निम्नलिखित संकायों का गठन किया गया है तथा उनके अन्तर्गत संचालित अधोनिर्दिष्ट विभागों में शिक्षण/अध्यापन कार्य जारी रहा:-

1. **वेद् वेदांग एवं साहित्य संकाय**
    - 1.1 वेद् एवं व्याकरण विभाग
    - 1.2 संस्कृत साहित्य एवं दर्शन विभाग
    - 1.3 ज्योतिष एवं ज्योतिर्विज्ञान विभाग
2. **दर्शन संकाय**
    - 2.1 न्याय दर्शन विभाग
3. **कला संकाय**
    - 3.1 विशिष्ट संस्कृत विभाग
4. **प्राचीन विज्ञान संकाय**
    - 4.1 योग विभाग
5. **शिक्षा संकाय**
    - 5.1 शिक्षाशास्त्र विभाग
6. **संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण तथा ज्ञान विज्ञान संवर्धन केन्द्र**

उपर्युक्त विभागों में सत्र 2018-19 में स्नातक स्तर पर शास्त्री/ बी.ए./ बी.ए. ऑनर्स/ बी.ए.बी.एड. एकीकृत तथा स्नातकोत्तर स्तर पर आचार्य/ एम.ए. तथा पत्रोपाधि (डिप्लोमा) पाठ्यक्रम में संस्कृत सम्भाषण/ पौरोहित्य/ योगविज्ञान/ वैदिक गणित/ वास्तुशास्त्र एवं प्रायोगिक ज्योतिर्विज्ञान तथा प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम की कक्षाएँ संचालित हो रही हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियम 2009 तथा संशोधित अनुसार विश्वविद्यालय में शोध एवं अनुसंधान पाठ्यक्रमों में विद्यावारिधि (पीएच्.डी.) संचालित है।

विश्वविद्यालय अध्यापन विभागों में संचालित पाठ्यक्रम वर्ष 2019-20

पाठ्यक्रम	विषय	स्तर	अवधि	अर्हता	प्रवेश प्रक्रिया	नियमित/ स्वाध्यायी
विद्यावारिधि (पीएच्.डी.)	वेद/व्याकरण/साहित्य/ज्योतिष /ज्योतिर्विज्ञान/संस्कृत	शोधोपाधि	अधिकतम 4 वर्ष	आचार्य/एम.ए. 55% से उत्तीर्ण	चयन परीक्षा द्वारा	नियमित
एम.फिल्.	वेद/व्याकरण/साहित्य/ज्योतिष /ज्योतिर्विज्ञान/संस्कृत	-	1 वर्ष	एम.ए./ आचार्य	चयन परीक्षा द्वारा	नियमित
आचार्य	संस्कृत साहित्य एवं साहित्य शास्त्र	स्नातकोत्तर	4 सेमेस्टर (2 वर्ष)	शास्त्री या समकक्ष या एम.ए. संस्कृत	प्रावीण्य	नियमित (सेमेस्टर पद्धति)/स्वाध्यायी (वार्षिक पद्धति)
आचार्य	नव्यव्याकरण	स्नातकोत्तर	-वही-	-वही-	-वही-	-वही-
आचार्य	शुक्लयजुर्वेद	स्नातकोत्तर	-वही-	-वही-	-वही-	-वही-
आचार्य	फलित ज्योतिष	स्नातकोत्तर	-वही-	-वही-	-वही-	-वही-
एम.ए.	संस्कृत	स्नातकोत्तर	-वही-	स्नातक या समकक्ष	-वही-	-वही-
एम.ए.	ज्योतिर्विज्ञान	स्नातकोत्तर	-वही-	-वही-	-वही-	-वही-
एम.ए.	योग	स्नातकोत्तर	-वही-	-वही-	-वही-	-वही-
शास्त्री	शुक्लयजुर्वेद/नव्यव्याकरण/ साहित्य/फलित ज्योतिष/ सिद्धान्त ज्योतिष/न्यायदर्शन	स्नातक	3 वर्ष	उत्तर मध्यमा या 10+2	प्रावीण्य	नियमित एवं स्वाध्यायी
बीए.बीएड.	साहित्य	स्नातक	4 वर्ष	उत्तर मध्यमा या 10+2	प्रावीण्य	नियमित
बी.ए.	संस्कृत (ऑनर्स)	स्नातक	3 वर्ष	उत्तर मध्यमा या 10+2	प्रावीण्य	नियमित एवं स्वाध्यायी
पत्रोपाधि (डिप्लोमा)	संस्कृत सम्भाषण/वास्तु शास्त्र/प्रायोगिक ज्योतिर्विज्ञान/पौरोहित्य/योग/ वैदिक गणित	-	1 वर्ष	उत्तर मध्यमा या 10+2	प्रावीण्य	नियमित
प्रमाणपत्र	संस्कृत वाग्व्यवहार/ हस्तरेखा विज्ञान/प्रश्नशास्त्र/शकुनविज्ञान /रत्नज्योतिर्विज्ञान	-	1 माह	उत्तर मध्यमा या 10+2	प्रावीण्य	नियमित
प्रमाणपत्र	संगीत	-	6 माह	उत्तर मध्यमा या 10+2	प्रावीण्य	नियमित

शैक्षणिक सत्र 2018-19 में विश्वविद्यालय में संचालित अध्यापन विभागों के नियमित पाठ्यक्रमों में कुल 469 छात्र-छात्राओं ने प्रवेश प्राप्त किया। इनमें 22 अनुसूचित जाति, 05 अनुसूचित जनजाति तथा 45 अन्य पिछडा वर्ग के छात्र थे।

वार्षिक प्रतिवेदन के अनुसार वर्तमान आलोच्य वर्ष में विश्वविद्यालय संकायों के अंतर्गत संचालित विविध अध्यापन विभागों में अध्ययनरत स्नातक/स्नातकोत्तर तथा शोधोपाधि पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त छात्र-छात्राओं का विवरण अग्रिम पृष्ठ पर उल्लिखित है:-

विद्यावारिधि (पीएच्.डी.) - 2019-20

क्र.	उपाधि/पाठ्यक्रम का नाम	छात्र	छात्रा	योग
1	विद्यावारिधि (पीएच्. डी.)	50	16	66

विद्यावारिधि (पीएच्. डी.) वर्ग विवरण

क्र.	वर्ग	छात्र	छात्रा	योग
1	अनुसूचित जाति	03	03	06
2	अनुसूचित जनजाति	00	00	00
3	अन्यपिछडा वर्ग	02	01	03
4	दिव्याङ्ग	02	00	02

पत्रोपाधि (डिप्लोमा) पाठ्यक्रम - 2019-20

क्र.	उपाधि/पाठ्यक्रम का नाम	छात्र	छात्रा	योग
1	संस्कृत सम्भाषण	125	20	45
2	वास्तुशास्त्र	04	02	06
3	ज्योतिष	18	00	18
4	पौरोहित्य	42	00	42
5	योग	11	14	25
6	वैदिक गणित	07	03	10
	योग	107	39	146

प्रथम सेमेस्टर/वर्ष - 2019-20

क.	उपाधि/पाठ्यक्रम का नाम	छात्र	छात्रा	योग
1	शास्त्री	35	00	35
2	बी.ए.	07	04	11
3	बी.ए.बी.एड.	27	05	32
4	एम.ए.- संस्कृत	13	07	20
5	एम.ए.- ज्योतिर्विज्ञान	07	02	09
6	एम.ए.- योग	18	17	35
7	आचार्य -फलित ज्योतिष	07	00	07
8	आचार्य - शुक्लयजुर्वेद	02	00	02
9	आचार्य - नव्यव्याकरण	06	00	06
10	आचार्य - साहित्य	16	00	16
	योग	138	35	173

तृतीय सेमेस्टर/द्वितीय वर्ष - 2019-20

क.	उपाधि/पाठ्यक्रम का नाम	छात्र	छात्रा	योग
1	शास्त्री	35	00	35
2	बी.ए.	03	03	06
3	बी.ए.बी.एड.	23	07	30
3	एम.ए.- संस्कृत (प्राच्य)	09	02	11
4	एम.ए.- ज्योतिर्विज्ञान	05	01	06
5	एम.ए.- योग	12	22	34
6	आचार्य - फलित ज्योतिष	04	01	05
7	आचार्य - सिद्धान्त ज्योतिष	03	00	03
8	आचार्य - शुक्लयजुर्वेद	02	00	02
9	आचार्य - साहित्य	02	00	02
	योग	98	36	134

तृतीय वर्ष - 2019-20

क.	उपाधि/पाठ्यक्रम का नाम	छात्र	छात्रा	योग
1	शास्त्री	17	00	17
2	बी.ए.	02	00	02
	योग	19		19

प्रथम दीक्षान्त समारोह

विश्वविद्यालय अपनी स्थापना के 12वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है तथा प्रगति पथ पर निरन्तर अग्रसर है। प्रतिवेदन अनुसार आलोच्य सत्र में विश्वविद्यालय का प्रथम दीक्षान्त समारोह दिनांक 02 दिसम्बर 2019 को आयोजित किया गया। दीक्षान्त समारोह में मध्यप्रदेश के माननीय राज्यपाल महोदय एवं कुलाधिपति श्री लाल जी टंडन जी की अध्यक्षता में, मध्यप्रदेश शासन के खेल एवं युवा कल्याण तथा उच्चशिक्षा मन्त्री श्री जीतू पटवारी जी के विशेष आतिथ्य में तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की संस्कृत संबंधी समिति की अध्यक्ष एवं कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय रामटेक नागपुर, महाराष्ट्र की पूर्व कुलपति डॉ. (प्रो.) उमा वैद्य जी की गरिमामयी उपस्थित में पारम्परिक वेषभूषा में उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुआ।

प्रथम दीक्षान्त समारोह में विश्वविद्यालय के वेद वेदांग एवं साहित्य संकाय, कला संकाय, दर्शन संकाय, एवं प्राचीन विज्ञान संकायों के पाठ्यक्रमों को सफलता पूर्वक उत्तीर्ण करने वाले सत्र 2019-20 के स्नातक, स्नातकोत्तर एवं शोध पाठ्यक्रम के कुल 434 विद्यार्थियों को उपाधियाँ प्रदान की गयीं ।

विश्वविद्यालय के परिनियम, अध्यादेश एवं विनियम

महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम 2006 क्रमांक 15 सन् 2008 में विहित प्रावधानों के अनुरूप विश्वविद्यालय के 19 परिनियम, 20 अध्यादेश तथा 8 विनियम तैयार कराये गये हैं तथा उन्हें विश्वविद्यालय की साधारण सभा के अनुमोदन की प्रत्याशा में समन्वय समिति एवं समन्वय समिति की स्थायी समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। समन्वय समिति के समक्ष रखा जाकर उनका परीक्षण कर लिया गया है और समन्वय समिति की बैठक दिनांक 02.09.2010 में उनको प्रस्तुत हुआ मान लिया गया है। साधारण सभा की विगत बैठक दिनांक 20.11.2012 में इनका अनुमोदन हो गया है। परिनियम, अध्यादेश एवं विनियम की सूची निम्नानुसार है:-

परिनियम (STATUTES) की सूची

1. Terms and conditions of service of the Vice-Chancellor.
2. Powers and duties of the Vice-Chancellor.
3. The Registrar- his emoluments and conditions of service, Powers and duties.
4. New pension scheme.
5. Convocation.
6. Honorary degree.
7. Admission of colleges/institutions to the privileges of the University and withdrawal thereof.

8. College code.
9. Autonomous colleges.
10. Scales of pay of Professors, Readers and Lectures.
11. Administration of endowments.
12. Conditions of service for University employees.
13. Seniority of officers and employees of the University.
14. Appointment of examiners.
15. Faculties and assignment of subjects to the Faculties.
16. Powers, functions, appointments and conditions of service of Heads of the University Teaching Departments/Institutes/Academic Units.
17. Building committee.
18. Establishment of University Teaching Departments & institution teaching posts.
19. Appointment of non-teaching employees.

अध्यादेश (ORDINANCES) की सूची

1. Admission of students to a college or University Teaching Department, transfer of students and maintenance of discipline.
2. Enrolment of students and their admission to courses of study.
3. Examinations (General)..
4. Conduct of examinations.
5. The conditions of the award of fellowships and scholarships.
6. Travelling allowance and daily allowance.
7. Semester system at postgraduate level.
8. Semester system at undergraduate level.
9. doctor or philosophy/Vidhya Varidhi.
10. Maintenance of discipline among the students and Proctorial Board.
11. Institution of Emeritus Professorship, Honorary Professorship and Adjunct Honorary Professorship.
12. Examination and other fees.
13. Grading system in the examinations.
14. Degrees, diplomas, certificates and other academic distinctions to be awarded by the University and qualifications for the same and the examinations leading to degree, diplomas and certificates.
15. Qualifications and conditions of appointment of teachers of the University Teaching Departments.

16. Master of Philosophy. (M. Phil)
17. Diploma Course.
18. Bachelor of Arts (Prachya Paddhati) classic.
19. Master of arts (classics) (Prachya Paddhati)
20. Shiksha Shastra (B. Ed.)

विनियमों (REGULATIONS) की सूची

1. Annual Report
2. Function and duties of Finance Officer
3. Other officers of the University – condition of service, powers and duties
4. Preparation and maintenance of academic seniority lists
5. Seniority of teachers of the University
6. Seniority of Heads of departments in affiliated colleges
7. Academic Planning and Evaluation Board

उपाधि विवरण

विश्वविद्यालय की स्थापना के पश्चात् सन् 2009-10 से परीक्षाओं का आयोजन प्रारम्भ किया। इस विश्वविद्यालय का कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण मध्यप्रदेश है। अतः प्रदेश के जो महाविद्यालय अपने-अपने क्षेत्र के विश्वविद्यालयों से सम्बद्ध थे, इस विश्वविद्यालय की स्थापना के पश्चात् वे समस्त महाविद्यालय इस विश्वविद्यालय से सम्बद्ध हो गये। सम्बन्धित विश्वविद्यालयों द्वारा जिन उपाधियों की परीक्षा आयोजित की जा रही थीं, उन्हीं उपाधियों की परीक्षाएँ इस विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित करना प्रारम्भ कर दिया। सम्प्रति इस विश्वविद्यालय द्वारा निम्नलिखित परीक्षाओं का आयोजन किया जा रहा है:-

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	पद्धति	अवधि
1	शास्त्री/ बी.ए.	वार्षिक पद्धति	तीन वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम
2	शास्त्री-शिक्षा शास्त्री (बी.ए. बी.एड. एकीकृत)	वार्षिक पद्धति	चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम
3	आचार्य/ एम.ए.	सेमेस्टर पद्धति	दो वर्षीय/चार सेमेस्टर स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम
4	पत्रोपाधि (डिप्लोमा)	वार्षिक पद्धति	एक वर्षीय पाठ्यक्रम
5	एम.फिल्.	-	यू.जी.सी. के नियमानुसार
6	विद्यावारिधि (पीएच्.डी.)	-	यू.जी.सी. के नियमानुसार

विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालय

विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों की संख्या					
प्रबन्धन				विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से मान्यता प्राप्त	
वर्ष	शासकीय	गैर-शासकीय	कुल	12 (बी)	2 (एफ)
2019-20	09	11	20	03	04

विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों की सूची:-

1. शासकीय वेंकट संस्कृत महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)
2. शासकीय अभयानंद संस्कृत महाविद्यालय, कल्याणपुर, जिला-शहडोल (म.प्र.)
3. शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, भितरी, जिला- सीधी (म.प्र.)
4. शासकीय पुरुषोत्तम संस्कृत महाविद्यालय, खजुरीताल, जिला-सतना (म.प्र.)
5. शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, देवेन्द्रनगर, जिला- पन्ना (म.प्र.)
6. शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, लश्कर, ग्वालियर (म.प्र.)
7. शासकीय रामानन्द संस्कृत महाविद्यालय, लालघाटी, भोपाल (म.प्र)
8. शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, रामबाग, इन्दौर (म.प्र.)
9. शासकीय मानमल मीमराज रुइया संस्कृत महाविद्यालय, उज्जैन (म.प्र)
10. नगर निगम श्री लोकनाथ शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय, गोविन्दगंज, जबलपुर (म.प्र.)
11. श्री नारायण संस्कृत महाविद्यालय, कटनी (म.प्र.)
12. श्री गणेश दिगम्बर जैन संस्कृत महाविद्यालय, वर्णी भवन, सागर (म.प्र)
13. संस्कृत महाविद्यालय, धर्मश्री, सागर (म.प्र.)
14. श्री रामनाम संस्कृत महाविद्यालय, अक्षयवट, चित्रकूट, जिला-सतना (म.प्र.)
15. श्री जानकी संस्कृत महाविद्यालय, पुरानी लंका, चित्रकूट, जिला-सतना (म.प्र.)
16. श्री ऋषि कुमार संस्कृत महाविद्यालय, पीली कोठी, चित्रकूट, जिला-सतना (म.प्र.)
17. श्री राम संस्कृत महाविद्यालय, चित्रकूट, जिला-सतना (म.प्र.)
18. श्री पीताम्बरा पीठ संस्कृत महाविद्यालय, दतिया (म.प्र.)
19. श्री रावतपुरा सरकार संस्कृत महाविद्यालय,रावतपुरा धाम, लहार,जिला भिंड (म.प्र.)
20. गुरुकुल महाविद्यालय, ग्राम ज्ञानपुरा, तिरला, जिला धार(म.प्र.)

विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में अध्यापकों की स्थिति

महाविद्यालय	प्राचार्य		प्रोफेसर		रीडर/एसोसिएट प्रोफेसर		लेक्चरर/असि. प्रोफेसरयोग		योग	
	योग	महिला	योग	महिला	योग	महिला	योग	महिला	योग	महिला
20	20	02	11	04	05	00	22	09	38	13

विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में संचालित पाठ्यक्रम वर्ष 2019-20

पाठ्यक्रम	विषय	पाठ्यक्रम का स्तर	पाठ्यक्रम की अवधि	प्रवेश की अन्तिम योग्यता	प्रवेश की प्रक्रिया	अध्यापन का चलन
आचार्य	संस्कृत साहित्य एवं साहित्य शास्त्र	स्नातकोत्तर	2 वर्ष	शास्त्री या समकक्ष या एम.ए. संस्कृत	प्रावीण्य	नियमित (सेमेस्टर/ वार्षिक पद्धति) एवं स्वाध्यायी (वार्षिक पद्धति)
आचार्य	शुक्लयजुर्वेद	वही	वही	वही	वही	वही
आचार्य	नव्यव्याकरण	वही	वही	वही	वही	वही
आचार्य	फलितज्योतिष	वही	वही	वही	वही	वही
एम.ए.	संस्कृत – साहित्य	वही	वही	स्नातक या समकक्ष	वही	वही
एम.ए.	संस्कृत प्राच्य	वही	वही	वही	वही	वही
एम.ए.	ज्योतिर्विज्ञान	वही	वही	वही	वही	वही
शास्त्री	निर्धारित परीक्षा योजना के अनुसार	स्नातक	3 वर्ष	उत्तरमध्यमा या समकक्ष	वही	वही
बी.ए.	वही	स्नातक	3 वर्ष	हायर सेकेण्डरी (10+2) या समकक्ष	वही	वही

विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में छात्रों की संख्या

वर्ष	स्नातक प्रथम वर्ष से तृतीय वर्ष			स्नातकोत्तर प्रथम से द्वितीय वर्ष			डिप्लोमा			कुल योग		
2019-20	छात्र	छात्राएँ	योग	छात्र	छात्राएँ	योग	छात्र	छात्राएँ	योग	छात्र	छात्राएँ	**योग**
	1021	210	1231	541	60	601	133	33	166	1695	303	**1998**

विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में अ.जा./अ.ज.जा./अ.पि.व./दिव्याङ्ग छात्रों की संख्या वर्ष 2019-20

	स्नातक			स्नातकोत्तर			डिप्लोमा			कुल योग		
	छात्र	छात्राएँ	योग	छात्र	छात्राएँ	योग	छात्र	छात्राएँ	योग	छात्र	छात्राएँ	**योग**
अनुसूचित जाति	49	15	64	04	15	19	05	03	08	58	33	**91**
अनुसूचित जनजाति	260	125	385	80	22	102	01	00	01	341	147	**488**
अन्य पिछड़ा वर्ग	31	15	46	10	13	23	09	06	15	50	34	**84**
दिव्याङ्ग	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	**-**

विश्वविद्यालय की परीक्षाओं का परीक्षाफल

स्नातक प्रथम वर्ष- 2019-20

नियमित परीक्षार्थी					
शास्त्री	कुल छात्र	311	**बी.ए.**	कुल छात्र	268
	उत्तीर्ण	284		उत्तीर्ण	267
	पूरक	00		पूरक	00
	अनुत्तीर्ण	00		अनुत्तीर्ण	00
	रुद्ध	27		रुद्ध	01

स्नातक द्वितीय वर्ष –2019-2020

नियमित परीक्षार्थी					
शास्त्री	कुल छात्र	242	बी.ए.	कुल छात्र	206
	उत्तीर्ण	226		उत्तीर्ण	206
	पूरक	00		पूरक	00
	अनुत्तीर्ण	00		अनुत्तीर्ण	00
	रुद्ध	16		रुद्ध	00

स्नातक तृतीय वर्ष- 2019-20

नियमित परीक्षार्थी					
शास्त्री	कुल छात्र	126	बी.ए.	कुल छात्र	27
	उत्तीर्ण	112		उत्तीर्ण	27
	पूरक	00		पूरक	00
	अनुत्तीर्ण	00		अनुत्तीर्ण	00
	रुद्ध	14		रुद्ध	00

स्नातकोत्तर द्वितीय सेमेस्टर –2019-20

नियमित परीक्षार्थी					
आचार्य	कुल छात्र	119	एम.ए.	कुल छात्र	123
	उत्तीर्ण	119		उत्तीर्ण	123
	ए.टी.के.टी.	00		ए.टी.के.टी.	00
	अनुत्तीर्ण	00		अनुत्तीर्ण	00
	रुद्ध	00		रुद्ध	00

स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर - 2019-20

नियमित परीक्षार्थी					
आचार्य	कुल छात्र	71	एम.ए.	कुल छात्र	113
	उत्तीर्ण	66		उत्तीर्ण	106
	ए.टी.के.टी.	00		ए.टी.के.टी.	00
	अनुत्तीर्ण	00		अनुत्तीर्ण	00
	रुद्ध	05		रुद्ध	07

डिप्लोमा 2019-20

डिप्लोमा	कुल छात्र	166
	उत्तीर्ण	166
	पूरक	00
	अनुत्तीर्ण	00
	रुद्ध	00

स्वाध्यायी परीक्षार्थियों के लिए वार्षिक परीक्षा - 2019-20

शास्त्री प्रथम वर्ष	कुल छात्र	**34**	बी.ए. प्रथम वर्ष	कुल छात्र	**68**
	उत्तीर्ण	31		उत्तीर्ण	67
	पूरक	00		पूरक	00
	अनुत्तीर्ण	02		अनुत्तीर्ण	00
	रुद्ध	01		रुद्ध	01

शास्त्री द्वितीय वर्ष	कुल छात्र	**27**	बी.ए. द्वितीय वर्ष	कुल छात्र	**19**
	उत्तीर्ण	27		उत्तीर्ण	17
	पूरक	00		पूरक	00
	अनुत्तीर्ण	00		अनुत्तीर्ण	00
	रुद्ध	00		रुद्ध	02

शास्त्री तृतीय वर्ष	कुल छात्र	**21**	बी.ए. तृतीय वर्ष	कुल छात्र	**16**
	उत्तीर्ण	20		उत्तीर्ण	14
	पूरक	00		पूरक	00
	अनुत्तीर्ण	00		अनुत्तीर्ण	01
	रुद्ध	00		रुद्ध	01

आचार्य पूर्वार्द्ध	कुल छात्र	**52**	एम.ए. पूर्वार्ध	कुल छात्र	**58**
	उत्तीर्ण	51		उत्तीर्ण	57
	पूरक	00		पूरक	00
	अनुत्तीर्ण	01		अनुत्तीर्ण	01
	रुद्ध	00		रुद्ध	00

आचार्य उत्तरार्द्ध	कुल छात्र	**25**	एम.ए. उत्तरार्ध	कुल छात्र	**29**
	उत्तीर्ण	25		उत्तीर्ण	28
	पूरक	00		पूरक	00
	अनुत्तीर्ण	00		अनुत्तीर्ण	01
	रुद्ध	00		रुद्ध	00

कुल छात्र संख्या का योग

स्नातक	नियमित	1180	स्नातकोत्तर	नियमित	426	डिप्लोमा	नियमित	166
	स्वाध्यायी	185		स्वाध्यायी	164			
		1365			590			166
						महायोग		**2121**

विश्वविद्यालय के शिक्षण-सहभागी-कार्यक्रम
सत्र 2019-20

- **गुरुपूर्णिमा**

दिनाङ्क 16/07/2019 को माननीय राज्यपाल श्रीमती आनन्दी बेन पटेल की प्रेरणा से गुरुपूर्णिमा को सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में एक साथ पीपल पादप रोपण के विश्वरिकार्ड के अन्तर्गत विश्वविद्यालय में माननीय कुलपति डॉ. पंकज एल. जानी की अध्यक्षता में षष्टि संवत्सर और दस दिशाओं के प्रतीक पीपल पादपों का रोपण किया गया। साथ ही अन्य औषधीय 501 पौधों का रोपण भी किया गया। कार्यक्रम में समस्त अधिकारी, प्राध्यापक, कर्मचारी तथा 72 छात्रों की उपस्थिति रही।

- **संस्कृत सप्ताह**

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय में दिनाङ्क 12 से 19 अगस्त 2019 संस्कृत सप्ताह का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। सप्ताह के प्रथम दिवस प्रातःकाल विश्वविद्यालय परिवार ने विश्वविद्यालय के मुख्यद्वार के सम्मुख यात्रियों को तिलक लगाकर संस्कृत सप्ताह की शुभकामनाएँ दीं। अग्रिम दिवसों में आयोजित हुईं प्रतिस्पर्धाओं में से **सूत्रान्त्याक्षरी** में शिवांश शुक्ला,

स्नेहा शर्मा, आयुष दुबे ने, **संस्कृतगीत** में स्नेहा शर्मा, जितेन्द्र शर्मा, हर्षवर्द्धन शर्मा ने , **आशुभाषण** में अक्षत जोशी, हिमांशु शर्मा,जितेन्द्र शर्मा ने, **श्लोकान्त्याक्षरी** में शिवांश शुक्ला, जितेन्द्र शर्मा, आयुष दुबे ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किये। सूत्रान्त्याक्षरी में 15, आशुभाषण में 21 तथा 19 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

- **स्वतन्त्रता दिवस**

दिनाङ्क 15/08/2019 को स्वतन्त्रता दिवस एक नवीन उत्साह के साथ मनाया गया, क्योंकि विश्वविद्यालय के स्वयं के परिसर में यह प्रथम स्वतन्त्रता दिवस था। गगन से बरसते शीतल जलकणों के बीच ही माननीय कुलपति डॉ. पंकज एल जानी ने ध्वजारोहण किया। माननीय कुलपतिजी ने समस्त विश्वविद्यालय परिवार को स्वतन्त्रता दिवस की शुभकामनाएँ दीं और कहा कि आज स्वयं इन्द्रदेव राष्ट्रध्वज का अभिषेक कर रहे हैं। हमारी संस्कृति में वृष्टि शुभ शकुन मानी गयी है। आज प्रकृति का हमें आशीष मिला है। निश्चय ही हमारे सारे सङ्कल्पों की सिद्धि होगी।

- **स्थापना दिवस**

दिनाङ्क 17/08/2019 को विश्वविद्यालय परिवार द्वारा महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के 12 वें स्थापना दिवस को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति डॉ. पंकज एल. जानी द्वारा की गयी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रामानुजकोटपीठाधीश्वर स्वामी रङ्गनाथाचार्यजी महाराज रहे। कार्यक्रम में योगविभाग के विद्यार्थियों द्वारा यौगिक मुद्राओं , आसन आदि की सङ्गीतमय प्रस्तुति की गयी। स्वागत वक्तव्य डॉ. तुलसीदास परौहा का जबकि भूमिका वक्तव्य प्रो मनमोहन उपाध्याय का रहा। तत्पश्चात् संस्कृत सप्ताह में विभिन्न स्पर्धाओं में विजयी हुए छात्रों ने अपनी प्रस्तुति दीं। विशेष रूप से स्नेहा शर्मा के संस्कृतगीत तथा शिवांश शुक्ल के लघुसिद्धान्तकौमुदी कण्ठ पाठ ने सभा में सबके मन पर उत्तम प्रभाव की निर्मिति की। कार्यक्रम की सम्पूर्ति में 12 वें स्थापना दिवस के निमित्त 12 कदम्ब पादपों का रोपण किया गया।

- **शिक्षक दिवस पर पौधारोपण**

दिनाङ्क 05/09/2019 को महान् दार्शनिक, शिक्षाविद् और पर्यावरण प्रेमी भारतदेश के द्वितीय राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन् की जयन्ती, **शिक्षक दिवस** के सुअवसर पर दैनिक भास्कर समाचारपत्र समूह, वनविभाग तथा महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्त्वावधान में 501 पौधों के रोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता

विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो पंकज लक्ष्मण जानी ने की। इस कार्यक्रम का ध्येय वाक्य रहा **रोपण, सिञ्चन, संवर्द्धन**। सर्वप्रथम मञ्चीय कार्यक्रम में राधाकृष्णन जी का स्मरण किया गया। मुख्य अतिथि श्री जोगेन्द्र जाटवा , पर्यावरण अधिकारी , वन विभाग ने शिक्षण और पौधारोपण में विश्वविद्यालय की भूमिका की सराहना की। भास्कर समूह से पधारे विशिष्ट अतिथि श्री आशीष दुबे ने अपने प्रकल्प एक पेड़ एक जिन्दगी की चर्चा करी। माननीय कुलपतिजी ने राधाकृष्णन जी के पर्यावरण प्रेम की चर्चा की। उन्होंने कहा कि शिक्षक छात्र रूपी पौधे रोपते ही हैं। किन्तु आज समाज पर्यावरण संरक्षण के लिए भी जागरुक हो यह शिक्षकों का दायित्व है, विशेषकर संस्कृत शिक्षकों का। आज शिक्षक मात्र बोलें नहीं अपितु निज कर्म द्वारा छात्रों को प्रेरित भी करते रहें और आज हम आज यही करने जा रहे हैं। कार्यक्रम का सञ्चालन डॉ. सङ्कल्प मिश्र ने किया। कार्यक्रम के अग्रिम चरण में 501 पौधों का रोपण किया गया। पहले माननीय कुलपतिजी द्वारा पौधों के सिञ्चन, संवर्द्धन तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति सतत कार्य करने की शपथ दिलाई गयी तत्पश्चात् पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम में 105 छात्र उपस्थित रहे।

- **हिन्दीदिवस**

इस वर्ष महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय द्वारा द्विदिवसीय हिन्दी दिवस समारोह आयोजित किया गया। तदनुसार दिनाङ्क 13/09/2019 को काव्यपाठ माननीय कुलपतिजी की अध्यक्षता में मातृभाषा हिन्दी की काव्यपाठ द्वारा सारस्वत समर्चना की गयी। दिनाङ्क 14/09/2019 को निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। **महात्मा गांधी और हिन्दी** विषय पर आयोजित निबन्ध प्रतियोगिता में 40 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। प्रतियोगिता में दामिनी मोरे ने प्रथम, राधिका शर्मा ने द्वितीय एवम् अमित पण्ड्या और अपूर्व उपाध्याय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

- **भाषण प्रतियोगता**

दिनांक 24 सितंबर 2019 को महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय में गांधी 150 वार्षिक कार्यक्रमों की कड़ी में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। भाषण का विषय **मेरे लिए महात्मा गांधी का संदेश** रहा, जिसमें 15 छात्रों ने सहभागिता की। प्रतियोगिता में निर्णायक रूप में ज्योतिष विभाग के आचार्य डॉ उपेंद्र भार्गव एवं साहित्य विभाग के डॉ विजय बहादुर त्रिपाठी उपस्थित रहे। आभारज्ञापन वेद व्याकरण विभाग के डॉ अखिलेशकुमार द्विवेदी ने किया। कार्यक्रम का संचालन

हिंदी विभाग की आचार्य डॉ रूपाली सारये ने किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर निधि शर्मा, द्वितीय स्थान पर 2 प्रतिभागी प्रिया जोशी एवं रुचिर द्विवेदी तथा तृतीय स्थान पर स्नेहा शर्मा रहे।

- **चित्रकला प्रतियोगिता**

गांधी १५० वीं जयंती वर्ष समारोह के अवसर पर दिनांक 1 अक्टूबर 2019 मंगलवार को महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय में गीत एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। समस्त शिक्षकों तथा छात्रों ने गीतों का आनन्द भी लिया और चित्रों का भी अवलोकन कर प्रतिभागियों का उत्साहवर्द्धन किया।

- **गांधीजयन्ती-**

महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय उज्जैन में गांधी 150वीं जयंतीवर्ष के उपलक्ष्य में दिनाङ्क 2 अक्टूबर 2018 से 2 अक्टूबर 2019 तक वर्षभर हो रहे कार्यक्रमों का सम्पूर्ति दिवस मनाया गया। दिनांक 2 अक्टूबर 2019 को गांधी जयंती के पुण्य अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार द्वारा सामूहिक रूप से गांधीजी के साहित्य का वाचन किया गया। जिसमें गांधीजी की आत्मकथा **मेरे सत्य के प्रयोग** तथा **हिंद स्वराज** पुस्तकों के कुछ चयनित अंशों का वाचन माननीय कुलपतिजी के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर दो वरेण्य गांधीविदों के व्याख्यान भी आयोजित किये गये। मुख्य अतिथि के रूप में महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ मोहन गुप्त तथा विशिष्ट अतिथि रूप में वरिष्ठ इतिहासकार डॉ. भगवती लाल राजपुरोहित उपस्थित रहे। डॉ. राजपुरोहित ने गांधीजी के जीवन के उन ऐतिहासिक अंशों को उद्घाटित किया जिनसे सामान्य जन प्रायः अनभिज्ञ रहते हैं। डॉ. मोहन गुप्त ने कहा गांधी जी ने समग्र समाज का संगठन किया और पूरे देश को एक सूत्र में पिरोया। गांधी दर्शन कोई नवीन तथ्य नहीं अपितु भारतीय दर्शनों के सर्वग्राह्य तत्त्वों का ही प्रतिबिम्ब है। गांधीजी आध्यात्मिक प्रकृति के थे किन्तु कुरीतियों के सदा विरोधी रहे। देखा जाय तो भारतदेश का प्रतीक देवता गांधी ही होंगे। अध्यक्षीय उद्बोधन में विश्वविद्यालय के कुलपतिजी द्वारा गांधी जी के सत्य, अहिंसा, प्रेम और स्वच्छता मूल्यों को व्यक्तिगत जीवन में अंगीकार करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में वर्ष भर हुए गांधी 150वीं जयन्ती वर्ष के अंतर्गत की गयी प्रतियोगिताओं के पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र वितरित किये गये। कुलसचिव डॉ. एल. एस. सोलंकी द्वारा कृतज्ञता ज्ञापन किया गया।

- **स्वच्छता अभियान**

गांधी जयन्ती के अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार के समस्त सदस्यों द्वारा स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत परिसर स्वच्छता का पुण्य कार्य सम्पादित किया गया।

- **भाषण प्रतियोगिता**

दिनाङ्क 09/01/2020 को वाग्वर्द्धिनी सभा के अन्तर्गत **शास्त्राणां प्रयोजनम्** विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गयी। इसके उपविषय थे-

1. व्याकरणाध्ययनस्य प्रयोजनम्
2. न्यायशास्त्रस्य प्रयोजनम्
3. वेदाध्ययनस्य प्रयोजनम्
4. ज्योतिषशास्त्रस्य प्रयोजनम्
5. काव्यशास्त्रस्य प्रयोजनम्
6. योगशास्त्रस्य प्रयोजनम्
7. शिक्षणविधेः प्रयोजनम्

प्रतियोगिता में 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया और निज-निज विषय को संस्कृत भाषा में धाराप्रवाह शैली में दृढतापूर्वक स्थापित किया। प्रतियोगिता का कुशल सञ्चालन शास्त्री द्वितीय वर्ष, व्याकरणशास्त्र के छात्र शशाङ्क दुबे ने किया। विभागाध्यक्ष डॉ.तुलसीदास परौहा समेत समस्त शिक्षकों ने अपने छात्रों के भाषणों का श्रवण किया तथा प्रतियोगितोपरान्त उन्हें मार्गदर्शन भी प्रदान किया प्रतियोगिता में दामिनी मोरे ने प्रथम, जितेन्द्र शर्मा ने द्वितीय तथा शिवांश शुक्ल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

- **युवा दिवस**

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय में दिनाङ्क 12/01/2020 को विवेकानन्द जयन्ती, युवा दिवस के उपलक्ष्य में "स्वामी विवेकानन्द का जीवन चरित्र तथा दर्शन" विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता आयोजित की गयी। स्नातकोत्तर स्तर में शीतल दशोरा ने प्रथम , अभय चौबे ने द्वितीय तथा पवन सिंह एवं अश्विन शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया ।

स्नातक स्तर में अपूर्वा उपाध्याय ने प्रथम, प्रणव शर्मा ने द्वितीय तथा जितेन्द्र शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

- **शोध पत्र वाचन प्रतियोगिता**

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय में शोध पत्र वाचन प्रतियोगिता आयोजित की गई। दिनांक 28-02-2020 को आयोजित इस प्रतियोगिता में 27 शोध छात्रों ने सहभागिता की।

प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष डॉ. तुलसीदास परौहा तथा शोध प्रभारी डॉ. पूजा उपाध्याय उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में कु. मेनका कुरील ने प्रथम, कु. पूजा ने द्वितीय तथा देवर्षि अगस्त्य ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के उपरान्त डॉ. परौहा ने शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान किया । छात्रों के शोधपत्रों की समीक्षा करते हुए डॉ.परौहा ने उनमें उत्कृष्टता के लिए किन तथ्यों का ध्यान रखना हो उसे भी उदाहरण देकर समझाया। डॉ. पूजा उपाध्याय ने भी छात्रों को मार्गदर्शन प्रदान कर उत्तम शोधपत्र लेखन हेतु बधाई दी।

- **गणतन्त्र दिवस**

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय में गणतन्त्र दिवस के अवसर पर ध्वज वन्दन किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय के कुलपति माननीय डॉ. पंकज एल. जानी जी ने ध्वजारोहण किया तथा समस्त विश्वविद्यालय परिवार के साथ मिलकर राष्ट्रध्वज वन्दन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के उपकुलपति प्रो.मनमोहन उपाध्याय एवं विश्वविद्यालय के कुलसचिव भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर छात्रों ने भी ध्वज वन्दन करने के पश्चात् देश भक्ति के गीतों का गायन, कविता वाचन कर कार्यक्रम में भाग लिया। कुलपति महोदय ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रत्येक वर्ष की अपेक्षा अधिक विचार विमर्श कर विश्वविद्यालय परिवार कार्यों का क्रियान्वयन करेगा। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अध्यापक, छात्र तथा कर्मचारी उपस्थित रहे।

- **शहीद दिवस**

दिनाङ्क 30/01/2020 को महात्मा गांधी की पुण्यतिथि शहीद दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार द्वारा गांधी जी को श्रद्धाप्रसूनाञ्जलि प्रदान की गयी। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. पंकज एल. जानी ने गांधीजी का स्मरण करते हुए कहा कि अहिंसा का यह पुजारी अपनी अन्तिम श्वास तक देश के लिए जिया। आज सम्पूर्ण विश्व में भारत को जो महत्त्वपूर्ण स्थान मिला है, वह गांधीजी का ही पुण्य है। समस्त विश्वविद्यालय परिवार द्वारा मौन धारण कर गांधी जी को नमन किया गया। इस अवसर पर उपकुलपति प्रो मनमोहन उपाध्याय, कुलसचिव एल एस सोलंकी, विभागाध्यक्ष डॉ.तुलसीदास परौहा सहित समस्त शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र समुपस्थित रहे ।

- **महिला दिवस**

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,उज्जैन में 08- मार्च 2020, विश्व महिला दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया। नारी शक्ति का प्रतिनिधित्व करते हुए थाना प्रभारी नागझिरी राममूर्ति शाक्य, शासकीय माधव विज्ञान महाविद्यालय की प्राध्यापिका प्रो. शशि जोशी, कार्यक्रम की अध्यक्षा डॉ.पूजा उपाध्याय, श्रीमती प्रीति उपाध्याय व डॉ. रूपाली सारये ने मञ्च साझा किया। नारी शक्ति के सम्मान में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पंकज एल.जानी स्वयं मञ्च के सम्मुख उपस्थित रहे व कार्यक्रम का अवलोकन किया। कार्यक्रम का मुख्य शीर्षक **स्त्री सम्मानः मेरा उद्धार** रखा गया, जिसमें विश्वविद्यालय के छात्रों तथा अध्यापकों ने नारी सम्मान एवं नारी शक्ति को सम्बोधित करते हुए कविताएं एवं गीत प्रस्तुत किए।

- **ई-वाग्वर्द्धिनी सभा**

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय में दिनांक 28, अप्रैल 2020 मंगलवार को **आदि शंकराचार्य जयन्ती** के अवसर पर वाग्वर्द्धिनी सभा का आयोजन किया गया। जिसमें सस्वर श्लोकपाठ, भाषण, चित्रकला और निबन्ध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। समस्त प्रतियोगिताओं का आयोजन व्हाट्स एप ग्रुप के माध्यम से किया गया। इस प्रतियोगिता का मुख्य शीर्षक आदि गुरु शंकराचार्य का साहित्य रहा। जिसमें समस्त श्लोकों का पाठन, भाषण, चित्रकला एवं निबन्ध शंकराचार्यजी द्वारा विरचित ग्रन्थों पर आधारित रहे। वर्तमान कोरोना महामारी के समय शंकराचार्य जी के श्लोकों से प्रेरणा लेकर वर्तमान समस्याओं, सुरक्षा उपायों के चित्रण को चित्रकला प्रतियोगिता का आधार बनाया गया। इन प्रतियोगिताओं में काव्य पाठ में 18, भाषण प्रतियोगिता में 8, चित्रकला में 13 और निबन्ध प्रतियोगिता में 14 छात्रों ने भाग लिया।

व्याख्यान

● संस्कृत संगोष्ठी

दिनाङ्क 12 अगस्त को संस्कृत सप्ताह के प्रथम दिवस संस्कृत संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसे देश के प्रख्यात शिक्षाविद् श्री चमूकृष्ण जी शास्त्री ने सम्बोधित किया। श्री शास्त्री ने कहा कि संस्कृत के संरक्षण और संवर्द्धन हेतु शासन पर आश्रित होना अथवा उससे याचना करना उचित नहीं है। मात्र शासन के नियम - निर्देशों से कभी बड़ा लक्ष्य नहीं साधा जा सकता। जब तक समाज स्वयं लक्ष्य की ओर बढ़ने का मन में निश्चय न कर ले तब तक उसकी प्राप्ति सन्दिग्ध ही है। संस्कृत के लिए यदि हमें कुछ करना है तो सम्पूर्ण समाज को जोड़ना होगा और हम शिक्षकों के लिए योग्यमार्ग है संस्कृत कक्ष्या। शिक्षक विषय के गूढ रहस्यों के उद्घाटन में मातृभाषा का प्रयोग कर सकते हैं किन्तु अपने सामान्य संवाद् में सरल मानक संस्कृत का प्रयोग करें तो संस्कृत का सहज ही विकास होता जाता है।

कुलपति डॉ. पंकज एल. जानी ने कहा कि हमारे समस्त शिक्षक निश्चय ही आपके विचारों से प्रेरणा प्राप्त कर शिक्षाकार्य करेंगे। समस्त शिक्षकों ने करतल ध्वनि से सहमतिपूर्वक हर्ष व्यक्त किया। कार्यक्रम में उपकुलपति प्रो मनमोहन उपाध्याय , विभागाध्यक्ष डॉ. तुलसीदास परौहा समेत समस्त शिक्षक उपस्थित रहे।

● विशिष्ट व्याख्यान

दिनाङ्क 14/08/2019 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के कुलपति प्रो पी एन शास्त्री जी का विशिष्ट व्याख्यान विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित हुआ। प्रो शास्त्री ने कहा कि संस्कृत भारत की विकासयात्रा की एकमात्र द्रष्टा है। यह भारतीयता का अद्वितीय प्रतीक है।

● वसन्तोत्सव

दिनाङ्क 30/02/2020 को वसन्त-पञ्चमी के शुभ अवसर पर माँ वाग्देवी की अर्चना की गयी तत्पश्चात् महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय तथा भारतीय शिक्षण मण्डल, मालवा प्रान्त के संयुक्त तत्त्वावधान में वसन्तोत्सव पर विशिष्ट व्याख्यान आयोजित किया गया। विशष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए शिक्षण मण्डल की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती अरुणा सारस्वत ने कहा कि मनुष्य जीवनपर्यन्त विद्यार्थी होता है अतः हमें मृत्युपर्यन्त माँ शारदा के आशीष की आवश्यकता है।

- **ग्रहण विचार**

दिनाङ्क 19/12/2019 को महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय में शासकीय जीवाजी वेधशाला के अधीक्षक डॉ.राजेन्द्र गुप्त द्वारा सूर्य ग्रहण पर व्याख्यान दिया गया। डॉ.गुप्त ने कहा कि सूर्य ग्रहण केवल एक आध्यात्मिक परिकल्पना ही नहीं अपितु एक प्राकृतिक घटना है। तारीख 26 दिसम्बर को होने वाले सूर्यग्रहण के विषय में जानकारी देते हुए बताया कि यह ग्रहण उज्जैन में 61 प्रतिशत से अधिक दृश्य है। अतः उज्जैनवासियों, विशेषकर ज्योतिष व खगोल के अध्येताओं के लिए यह एक महत्त्वपूर्ण अवसर है।

- **विशिष्ट व्याख्यान**

पीएच्.डी./विद्यावारिधि की प्रवेशपरीक्षा में चयनित शोधछात्रों की पाठ्यक्रम कार्य की कक्षाओं के साथ समय समय पर उनके प्रशिक्षण हेतु लब्धप्रतिष्ठ विद्वानों के विशिष्ट व्याख्यान आयोजित किये गये। तदनुसार दिनाङ्क 17/02/2020 को प्रो केदारनारायण जोशी, पूर्व आचार्य एवम् अध्यक्ष संस्कृत अध्ययनशाला, विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन ने "**शास्त्रेषु नवानुसन्धानसम्भावना**" विषय पर व्याख्यान दिया। प्रो.जोशी ने दिनाङ्क 24/02/2020 को "**नाट्यशास्त्रे अनुसन्धानकार्याणि**" विषय पर शोधार्थियों का मार्गदर्शन किया ।

दिनाङ्क 28/02/2020 को डॉ.सचिन कठाले, संस्कृत भारती, बेंगलुरु ने "**देशे-विदेशेषु संस्कृतपत्रिकाः**" विषय पर शोध-छात्रों का मार्गदर्शन किया ।

दिनाङ्क 03/03/2020 को प्रो जे. एन. त्रिपाठी, हमीदिया महाविद्यालय, भोपाल ने "**वैदिकसंहितासु अनुसन्धानम्**" विषय पर शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान किया।

- **आदि शंकराचार्य जयन्ती**

दिनाङ्क 28/04/2020 को लॉकडाउन अवधि में आदि शङ्कराचार्य के स्मरण में ऑडियो/वीडियो व्याख्यान प्रस्तुत किये गये। ज्योतिष के सहायकाचार्य डॉ.उपेन्द्र भार्गव ने शंकराचार्य के दर्शन से छात्रों को परिचित करवाते हुए उनके जीवन दर्शन को व्यवहार परक बनाने के लिए व्याख्यान प्रस्तुत किया व्याकरण विभाग के सहायकाचार्य डॉ.अखिलेश द्विवेदी ने युक्तायुक्त आहार शैली का वर्णन करते हुए व्याख्यान के माध्यम से छात्रों का मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पंकज एल. जानी ने छात्रों को साधुवाद प्रदान करते हुए छात्रों की सहभागिता को प्रशंसनीय बताया। उन्होंने कहा कि तालाबन्दी के इस अवसर में भी ऐसे कार्यक्रमों का सफल आयोजन छात्रों की सक्रियता का प्रत्यक्ष प्रमाण है। साथ ही उन्होंने छात्रों को इस अवधि में सावधानी बरतने का निर्देश भी दिया। उन्होंने कहा कि माननीय राज्यपाल महोदय भी कोरोनाकाल में सावधानी और संकटग्रस्तों के सहयोग पर बल देते हैं। मुझे बहुत खुशी है कि आपने इस विषय में शंकराचार्यजी से प्रेरणा ली। हमें यही खुशी बनाये रखनी है और सबको बाँटनी भी है। शंकराचार्यजी माँ अन्नपूर्णा के उपासक थे। हमारा भी प्रयास रहे कि कोई अपना भूखा न रहे। इसके पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. तुलसीदास परौहा ने शंकराचार्यजी के साहित्य में प्रयुक्त प्राणायाम , अन्नदान, सबमें स्वयं को देखने , भेद को मिटाने जैसे वचनों को आदर्श मान कोरोना बिभीषिका से सुरक्षा के उपायों पर प्रकाश डाला। उपकुलपति प्रो मनमोहन उपाध्याय ने राष्ट्रीय एकता के चिन्तक के रूप में आदि शंकराचार्यजी का स्मरण किया।

हमारी उपलब्धियाँ

- उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ के इस प्रतिष्ठित साहित्य पुरस्कार विश्वविद्यालय के वेद एवं व्याकरण विभाग के सहायक प्राध्यापक **डॉ. संकल्प मिश्र** को प्राप्त हुआ। डॉ. मिश्र को यह पुरस्कार उनकी पुस्तक **कात्यायनशुल्बसूत्रम्** के लिए दिया गया।
- दिनाङ्क 14/11/2019 को कालिदास समारोह के समापन सत्र में विश्वविद्यालय के विशिष्ट संस्कृत विभाग की सहायक प्राध्यापिका **डॉ. पूजा उपाध्याय** को प्रादेशिक भोज पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके पूर्व मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद् तथा कालिदास अकादमी की ओर से उनकी कृति व्यक्तित्व का मनोविज्ञान तथा योगदर्शन हेतु 51000 राशि के भोज पुरस्कार की घोषणा की गयी।
- राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थान द्वारा आयोजित अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धाओं के अन्तर्गत संस्थान के भोपाल परिसर में दिनाङ्क 07-08/11/2019 में राज्यस्तरीय स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। इसके अन्तर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं में विश्वविद्यालय के छात्रों ने बड़े उत्साह के साथ भाग ग्रहण कर प्रशंसनीय प्रदर्शन किया। साहित्यशास्त्र भाषण में रुचित द्विवेदी ने द्वितीय स्थान , प्रश्नमञ्च में आयुष दुबे तथा अक्षत जोशी ने द्वितीय स्थान, ज्योतिष भाषण में हर्ष शर्मा ने द्वितीय स्थान तथा शिवांश शुक्ला ने अक्षर श्लोकी में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

न्यायशास्त्र भाषण में लक्ष्य जोशी ने प्रथम स्थान प्राप्त कर अखिल भारतीय स्तर के लिए अपना स्थान सुरक्षित किया।

- **कालिदास समारोह**

  अखिल भारतीय संस्कृत वाद विवाद प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के छात्र आभास शर्मा ने द्वितीय एवं आदर्श पाण्डेय ने तृतीय स्थान अर्जित कर विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया तथा चल वैजयंती पुरस्कार विश्वविद्यालय को पुनः प्राप्त करवाया। यह ध्यातव्य है कि इसके पूर्व भी लगातार 3 वर्षों से यह चल वैजयंती विश्वविद्यालय को ही प्राप्त हो रही है। यह अपने आप में एक कीर्तिमान है। संस्कृत काव्यपाठ प्रतियोगिता में स्नेहा शर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रिया जोशी तथा आश्विन शर्मा ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। हिन्दी वादविवाद प्रतियोगिता में कृत्तिका जोशी ने प्रथम तथा अक्षत जोशी ने प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त किया।

युवा महोत्सव

29/02/2020 तथा 01/03/2020 को महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय में चतुर्थ युवमहोत्सव का आयोजन किया गया। छात्रों को सम्बोधित करते हुए प्रो जानी ने कहा कि हार - जीत महत्त्वपूर्ण नहीं है अधिक बड़ी बात है प्रतिभागिता में सहभागिता करना। सर्वप्रथम शंखध्वनि के साथ महोत्सव की भव्य शोभायात्रा निकाली गयी, जिसमें विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों तथा अध्यापन विभागों के छात्र विजयोद्घोष करते हुए क्रीडांगण से कार्यक्रमस्थल तक पहुँचे। वहाँ विश्वविद्यालय के कुलपति महोदय की गरिमामयी उपस्थिति में उपकुलपतिजी एवं अन्य आचार्यों ने पुष्पवृष्टि कर अपने कुल के छात्रों एवं प्राध्यापकों की अगवानी की। आयोजन में प्रथम दिवस रंगोली, योगासन, आशुभाषण, शास्त्रार्थ, काव्यपाठ, वादविवाद, प्रश्नमंच, संस्कृतगीत, नृत्य और वॉलीबाल प्रतियोगिताएँ आयोजित की गयी। आशुभाषण में एवज भण्डारे इन्दौर ने प्रथम, आदित्य पण्ड्या ने द्वितीय एवं आदर्श पाण्डेय इन्दौर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। रंगोली में दुर्गा पांचाल, प्रियंका सोलंकी, दर्शना शर्मा ने, काव्यपाठ में स्नेहा शर्मा, दामिनी मोरे, प्रिया जोशी ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त किये। प्रश्नमंच में जय शर्मा और शिवांश शुक्ल प्रथम, भावेश रावल और बंटी शर्मा द्वितीय, दिलखुश शर्मा और आदित्य पण्ड्या   तृतीय स्थान पर रहे। तबलावादन में सचिन शर्मा, अखिलेश चौबे दतिया एवं दिनेशकुमार शर्मा, वादविवाद में आदर्श पाण्डेय इन्दौर, प्रदीप विरथरे

दतिया, स्नेहा शर्मा, शास्त्रार्थ में उद्धव पौराणिक, भावेश रावल और लक्ष्य जोशी, आदित्यदत्त शर्मा उज्जैन ने क्रमशः प्रथम , द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किये। युवमहोत्सव के द्वितीय दिवस दौड़-कबड्डी- ऊँची कूद-लम्बी कूद-भाला प्रक्षेपण आदि स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। प्रातः 07 बजे से विश्वविद्यालय के खेल प्राङ्गण में दौड़ प्रतियोगिता हुई, जिसमें महिला वर्ग से पूजा नर्गेश ने स्वर्ण, उर्मिला भाबर ने रजत एवं स्नेहा शर्मा ने कांस्य पदक प्राप्त किया। पुरुष वर्ग में इंदौर महाविद्यालय संजय चौहान ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। कबड्डी पुरुष वर्ग तथा महिला वर्ग में इन्दौर महाविद्यालय के दल विजयी रहे। अपराह्णकाल में युवामहोत्सव के समापन सत्र का आयोजन किया गया जिसमें विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो पंकज एल जानी सत्राध्यक्ष के रूप में उपस्थित रहे। कुलपति महोदय ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि जो छात्र विजयी हुए उन्हें बधाई और जो अभी रह गये उन्हें भी बधाई क्योंकि उन्होंने सहभागिता तो की। आगे आप और भी तैयारी करें। समापन सत्र में विश्वविद्यालय के उपकुलपति प्रो मनमोहन उपाध्याय , कुलसचिव डॉ.एल. एस. सोलंकी , वित्ताधिकारी श्री एच एस गेहलोत एवं विभागाध्यक्ष डॉ.तुलसीदास परौहा उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय से संबद्ध विविध महाविद्यालयों एवं अध्यापन विभाग के 186 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

शास्त्रार्थ सभा

दिनाङ्क 13/01/2020 को **राजभवन के सान्दीपनि सभागार में अखिल भारतीय शास्त्रार्थ सभा का आयोजन किया गया।** इस सभा के परमाध्यक्ष महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री लालजी टण्डन , माननीय राज्यपाल , मध्यप्रदेश ने सभा का शुभारम्भ करते हुए कहा कि शास्त्रार्थ हमारी परम्परा का एक अद्भुत आयाम है। एक ओर जहाँ विश्व की अनेक सभ्यताएँ परस्पर रक्तपात कर नष्ट हो गयीं तो वहीं भारत में बड़ी से बड़ी समस्याओं का समाधान तार्किक वार्ता से कर लिया गया। शास्त्रार्थ केवल बहस के लिये नहीं होता अपितु इससे बड़े बड़े सामाजिक परिवर्तन हुए हैं। शङ्कराचार्य और मण्डन मिश्र के शास्त्रार्थ को कौन विस्मृत कर सकता है जहाँ से पूरा एक युग परिवर्तित हो गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पंकज लक्ष्मण जानी को शुभकामना देते हुए राज्यपाल महोदय ने कहा कि आज लोग अपनी परम्पराएँ भूल रहे हैं ऐसे में आपके विश्वविद्यालय द्वारा आज के लोगों के लिए एक सरल, सरस रूप में शास्त्रार्थ सभा का आयोजन एक उत्तम कार्य है। इस हेतु महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय बधाई का पात्र है। राज्यपाल महोदय ने

शास्त्रार्थ के लिए जनसामान्य एवं बुद्धिजीवियों में देखे जा रहे औत्सुक्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस आयोजन के लिए आमन्त्रण पत्र न भेज कर सूचना दी गयी कि आप ऑनलाइन पञ्जीयन करा सकते हैं। पञ्जीयन हेतु 700 से अधिक आवेदन और वे भी समाज के विभिन्न वर्गों के बुद्धिजीवियों के प्राप्त हुए हैं, यह एक सकारात्मक स्थिति है।

इससे पूर्व कुलपति डॉ. पंकज एल. जानी ने कुलाधिपति महोदय एवं देश के विभिन्न स्थानों से पधारे शास्त्रार्थी विद्वानों का स्वागत करते हुए कहा कि माननीय राज्यपाल महोदय की प्रेरणा से हमारे विश्वविद्यालय को शास्त्रार्थ सभा के आयोजन का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। इस हेतु विश्वविद्यालय परिवार अपने कुलाधिपतिजी का अभिनन्दन करता है। जिन राजा भोज की सभा में शास्त्रार्थ की परम्परा रही, उनकी बसाई नगरी भोजपाल अर्थात् वर्तमान भोपाल में और राजभवन में इस आयोजन का होना हमारे लिए गौरव का क्षण है।

सर्वप्रथम व्याकरणशास्त्र में **शब्दनित्यत्वविमर्श** विषय पर शास्त्रार्थ हुआ। इसमें राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान , भोपाल परिसर के पूर्व प्राचार्य प्रो आजाद मिश्र पीठाध्यक्ष रहे। सिद्धान्तपक्ष में प्रो रामसलाही द्विवेदी (दिल्ली), डॉ. ब्रजभूषण ओझा (वाराणसी) एवं पूर्वपक्ष में डॉ. अखिलेशकुमार द्विवेदी (उज्जैन), डॉ. संकल्प मिश्र (उज्जैन) के मध्य **शब्द नित्य है अथवा अनित्य** इस विषय पर शास्त्रार्थ हुआ। पीठाध्यक्ष प्रो मिश्र ने सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि शब्द नित्य है, आज तो तर्क की भी आवश्यकता नहीं, ध्वनिरिकार्डर, आकाशवाणी आदि वैज्ञानिक उपकरण इसके प्रत्यक्ष प्रमाण हैं।

द्वितीय क्रम में साहित्यशास्त्र में **मम्मटाभिमतकाव्यलक्षण** विषय पर शास्त्रार्थ हुआ। इसमें विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन के कुलपति प्रो बालकृष्ण शर्मा पीठाध्यक्ष रहे। सिद्धान्त पक्ष में प्रो मनमोहन उपाध्याय (उज्जैन), डॉ. तुलसीदास परौहा(उज्जैन) एवं डॉ. पूजा उपाध्याय (उज्जैन) तथा पूर्वपक्ष में प्रो विरूपाक्ष जेड्डीपाल (तिरुपति , आन्ध्रप्रदेश) एवं डॉ. पंकज रावल (सोमनाथ, गुजरात) ने स्वकीय मत स्थापन के लिए तर्क प्रस्तुत किये। शास्त्रार्थोपरान्त पीठाध्यक्ष प्रो शर्मा ने बताया कि मम्मट का काव्यलक्षण है **तददोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलङ्कृती पुनः क्वापि**, अर्थात् दोषरहित गुणसहित शब्द और अर्थ जो कभी अलङ्कार रहित हो सकते हैं, वे काव्य कहलाते हैं। मम्मट के बाद के आचार्यों विश्वनाथ एवं पण्डितराज जगन्नाथ ने अपने नवीन काव्यलक्षण स्थापित करते हुए मम्मटमत का खण्डन किया। किन्तु उनके मतों का भी खण्डन हुआ और आज भी सर्वाधिक मान्य काव्यलक्षण मम्मट का ही है।

ज्योतिषशास्त्र में **कालतत्त्वविमर्श** विषय पर शास्त्रार्थ हुआ जिसमें पीठाध्यक्ष के रूप में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के आचार्य प्रो हंसधर झा विराजित थे। सिद्धान्तपक्ष में डॉ. उपेन्द्र भार्गव (उज्जैन) एवं डॉ. निगम पाण्डेय (जम्मू और कश्मीर) तथा पूर्वपक्ष में डॉ. कृष्णकुमार पाण्डेय (तिरुपति, आन्ध्रप्रदेश), डॉ. विजयकुमार (ज्वालाजी, हिमाचलप्रदेश) एवं डॉ. शुभम् शर्मा (उज्जैन) ने कालतत्त्व पर तर्क प्रस्तुत किये। पीठाध्यक्ष प्रो झा ने बताया कि काल की सत्ता को सभी स्वीकार करते हैं। भारतीय ज्योतिष में त्रुटि से लेकर ब्रह्मा की आयु तक कालमानों की मान्यता है। सेकण्ड के बहुत छोटे अंश की चूक भी बड़ी घातक सिद्ध होती है।

न्यायशास्त्र में **परमाणुवाद** विषय पर शास्त्रार्थ हुआ जिसमें पीठाध्यक्ष के रूप में सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो राजाराम शुक्ल विराजित थे। सिद्धान्तपक्ष में डॉ. सन्दीप शर्मा (उज्जैन) एवं डॉ. अमित शर्मा (उज्जैन) तथा पूर्वपक्ष में जे. सूर्यनारायण (हैदराबाद, तेलंगाना) एवं जे निवास (तिरुपति, आन्ध्रप्रदेश) ने शास्त्रार्थ किया। पीठाध्यक्ष प्रो शुक्ल ने बताया कि आचार्य कणाद ने विश्व की उत्पत्ति का कारण पदार्थ को माना है जिसका सबसे छोटा अंश परमाणु होता है।
शास्त्रार्थ सम्पन्न होने के पश्चात् सभा के परमाध्यक्ष माननीय राज्यपाल महोदय द्वारा शास्त्रार्थी विद्वानों को **शास्त्रकलानिधि** सम्मान से विभूषित किया गया।

- **जनसुनवाई**

विश्वविद्यालय में छात्र समस्या निवारण हेतु प्रत्येक मंगलवार को जनसुनवाई का आयोजन किया जाता है, जिसमें छात्रों की समस्याओं पर विचार किया जाता है। आचार्य, एम.ए., बी.ए. आदि के छात्रगण सम्मिलित हुए।

- **परीक्षा परिणाम**

विश्वविद्यालय द्वारा सभी परीक्षाओं के परीक्षाफल शासन द्वारा कोविडकाल के कारण निर्धारित ओपन बुक परीक्षा के कैलेन्डर के अनुसार समय पर घोषित किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना (N.S.S.) इकाई

विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (N.S.S.) की इकाई सञ्चालित है। सम्प्रति विश्वविद्यालय द्वारा 2 ग्राम गोद लिये गये हैं। जिसमें शासन की योजनाओं का प्रचार, जनजागरण, स्वास्थ्य विषयक जानकारी प्रदान करने में N.S.S. इकाई की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके अतिरिक्त स्वच्छता अभियान आदि अन्य सेवा कार्यों में भी N.S.S. इकाई की महती भूमिका है।

विश्वविद्यालयीन प्रकाशन

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय द्वारा शोध, अनुसंधान एवं गवेषणा की प्रवृत्ति को बढ़ाने के उद्देश्य से त्रैमासिक सान्दर्भिकशोधपत्रिका **पाणिनीया ISSN-2321-7626** का प्रकाशन नियमित रूप से किया जाता है। पत्रिका में संस्कृत, हिन्दी, अंग्रेजी भाषा में लब्धप्रतिष्ठित विद्वानों के शोधालेख प्रकाशित किये जाते हैं।

विश्वविद्यालयीन ग्रन्थालय

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय परिसर में अध्ययनरत छात्रों, शोधार्थियों की अकादमिक सुविधा के लिए विश्वविद्यालय द्वारा समृद्ध ग्रन्थालय स्थापित किया गया है। ग्रन्थालय में छात्रों की सुविधा के लिये तथा शोध उद्देश्यों की पूर्ति के लिए वेद,व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, धर्मशास्त्र, पुराण, इतिहास, उपनिषद् आदि के संस्कृत ग्रन्थ तथा सन्दर्भ ग्रन्थ, कोषग्रन्थ, आधुनिक ज्ञान विज्ञान एवं तकनीकि ग्रन्थ पर्याप्त संख्या में उपलब्ध हैं। वर्तमान में पुस्तकालय में विविध विषयों की 3500 से अधिक शीर्षक उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त प्रतियोगी तथा शोध पत्रिकाएँ भी प्राप्त की जा रही हैं। शोधोपयोगी सान्दर्भिक ग्रन्थों का क्रयण भी विचाराधीन है।

महाविद्यालयीन गतिविधियाँ

(1) **शासकीय अभयानन्द संस्कृत महाविद्यालय, कल्याणपुर, जिला-शहडोल (म.प्र.)**

महाविद्यालय में स्वतन्त्रता दिवस, संस्कृत सप्ताह, हरियाली महोत्सव, अन्त्योदय दिवस, मध्य प्रदेश स्थापना दिवस समारोह, अन्तर्राष्ट्रीय वृद्ध दिवस तथा अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गये। साथ ही शहीद दिवस, विश्व योग दिवस आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

(2) **शासकीय संस्कृत महाविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)**

महाविद्यालय में स्वतन्त्रता दिवस, गणतन्त्र दिवस, संस्कृत सप्ताह, गांधीजयन्ती का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। सूर्य नमस्कार, स्वामी विवेकानन्द केरियर मार्गदर्शन, व्यक्तित्व विकास

कार्यक्रम व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य एवं आचार्यों ने शैक्षणिक एवं प्रशानिक गतिविधियों में वर्ष भर प्रतिभागिता की तथा उनके शोध पत्रों का भी प्रकाशन हुआ। छात्रों ने सांस्कृतिक, शैक्षणिक एवं अन्य सहगामी कार्यक्रमों में भाग लेकर महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

(3) **शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, भितरी, जिला-सीधी (म.प्र.)**

महाविद्यालय में संस्कृत सप्ताह, गीता जयन्ती, विवेकानन्द जयन्ती तथा अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया।

(4) **नगर निगम श्री लोकनाथ शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय, गोविन्दगंज, जबलपुर (म.प्र.)**

महाविद्यालय में इस सत्र में प्रवेश उत्सव, स्वतन्त्रता दिवस, शिक्षक दिवस, गांधी जयन्ती, शिक्षण संगोष्ठी, शैक्षणिक भ्रमण, वृक्षारोपण कार्यक्रम, गुरुपूर्णिमा महोत्सव, गांधी सहित्य का वाचन किया गया तथा शैक्षणिक सहगामी कार्यक्रमों को आयोजित किया।

(5) **श्री रामनाम संस्कृत महाविद्यालय, अक्षयवट, चित्रकूट, जिला-सतना (म.प्र.)**

महाविद्यालय में संस्कृत सप्ताह, सम्भाषण शिविर, रामनवमी पर्व, वाल्मीकि समारोह आदि विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये ।

(6) **शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, देवेन्द्रनगर, पन्ना (म.प्र.)**

महाविद्यालय में स्वतन्त्रता दिवस, गाँधी जयन्ती, संस्कृत सप्ताह, बेटी बचाओ, मतदाता जागरुकता आदि विषयों पर व्याख्यान तथा विभिन्न क्रीडा एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया।

(7) **शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, इन्दौर (म.प्र.)**

शासकीय संस्कृत महाविद्यालय इन्दौर में प्रवेश उत्सव कार्यक्रम, शिक्षक अभिभावक योजना, पूर्व छात्र संगठन, संस्कृत सप्ताह, गुरु पूर्णिमा, तुलसी जयन्ती, सद्भावना दिवस, पर्यावरण संरक्षण आदि अनेक कार्यक्रमों तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेमिनार एवं कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के युवमहोत्सव में महाविद्यालय के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

(8) श्री मानमल मीमराज रुइया, शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

महाविद्यालय में प्रवेश उत्सव, गुरुपूर्णिमा, सद्भावना दिवस, स्वतन्त्रता दिवस, संस्कृत सप्ताह, शिक्षक दिवस, मतदाता जागरुकता दिवस, वसन्त उत्सव आदि विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के वार्षिकोत्सव में अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। लाकडाउन अवधि में महाविद्यालय के शिक्षकों द्वारा ऑनलाइन कक्षाएँ ली गयीं तथा लॉकडाउन के समय समस्याग्रस्त छात्रों एवं अन्य जनों के सहयोग हेतु छात्रों को प्रेरित किया गया।

(9) ऋषि कुमार संस्कृत महाविद्यालय, पीली कोठी, चित्रकूट, जिला-सतना (म.प्र.)

महाविद्यालय में संस्कृत सप्ताह, शिक्षक दिवस, स्वतन्त्रता दिवस, सम्भाषण शिविर, वाल्मीकि समारोह आदि कार्यक्रम तथा सङ्गोष्ठी का आयोजन किया गया।

(10) श्री पीताम्बरा पीठ संस्कृत महाविद्यालय, दतिया (म.प्र.)

महाविद्यालय में संस्कृत सप्ताह, स्वतन्त्रता दिवस, गीता जयंती, मतदाता दिवस, गाँधी जयंती आदि समारोह एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के युवा महोत्सव में महाविद्यालय के छात्रों का उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा।

वार्षिक वित्तीय प्राक्कलन

वित्तीय वर्ष 2018-19 में विश्वविद्यालय की वित्तीय स्थिति मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग/आयुक्त उच्च शिक्षा मध्यप्रदेश शासन भोपाल द्वारा खण्ड संधारण अनुदान विश्वविद्यालय हेतु वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए राशि रुपये 250 लाख स्वीकृति किया गया था। वर्ष 2019-20 का उपयोगिता प्रमाण-पत्र संलग्न है -

मध्यप्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग/आयुक्त, उच्च शिक्षा, भोपाल द्वारा निम्नानुसार खण्ड संधारण अनुदान जो कि इस विश्वविद्यालय को वर्ष 2019-20 के लिए राशि 227.33 लाख इस विश्वविद्यालय के लिये स्वीकृत किया गया है। जिसमें से राशि रुपये 172.77 लाख ही बैंक में जमा किये गये।

प्रमाणित किया जाता है कि रुपये 172.77 लाख का उपयोग जिस कार्य हेतु प्रदान किया गया था, उसे उसी कार्य में उपयोग किया गया है:-

क्र.	विवरण आय	राशि (लाख में)	क्र.	विवरण व्यय	राशि (लाख में)
1.	शासन द्वारा प्राप्त	**172.77**	1	अधिकारियों/शिक्षकों एवं कर्मचारियों का वेतन/मानदेय/पारिश्रमिक/ अतिथि मानदेय	199.03
			2	विश्वविद्यालय समन्वय समिति/पेंशन कटौत्रा/ नवीन पेंशन योजना/ई.पी.एफ.	12.41
			3	नियोक्ता अंशदान	8.57
			4	यात्रा भत्ता	2.50
			5	विद्युत/विद्युत सामग्री	3.51
			6	टेलीफोन	.72
			7	स्टेशनरी	1.12
			8	ड़ाक	.37
			9	फोटोकॉपी/प्रिंटिंग	3.89
			10	पेट्रोल	1.82
			11	वाहन संधारण/टैक्सी किराया	2.61
			12	सिक्यूरिटी	10.38
			13	विविध व्यय/अग्रिम समायोजन	6.25
			14	कम्प्यूटर संधारण/उपस्कर एवं/कम्प्यूटर प्रिन्टर क्रय	.52

			15	कार्यालय भवन/कुलपति निवास किराया	4.22
			16	पत्र पत्रिका/संगोष्ठी/शुभारंभ	1.64
			17	विज्ञापन	4.40
			18	ऑडिट फीस/कानूनी व्यय	.00
			19	परीक्षा व्यय	25.95
			20	फर्नीचर/युवात्सव/भवन रिपेरिंग	3.26
			21	अस्थायी शेड निर्माण	1.64
			22	प्रथम दीक्षान्त समारोह	9.68
			23	भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली	.50
			24	पुस्तक क्रय	4.42
			25	स्पोटर्स	.23
				कुल योग	**309.64**
				अवशेष राशि (-)	136.87
	योग	**172.77**		योग	**172.77**

उपसंहार

प्रतिवेदनाधीन वर्ष में राज्यपाल सचिवालय, मध्यप्रदेश शासन, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली, समस्त सम्बद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्य, महाविद्यालयों के शिक्षक और छात्र, समाचार पत्रों, विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार के नागरिकगणों, विश्वविद्यालय अध्यापन विभागों के अध्यापकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों से प्राप्त सहयोग और सहायता के लिये विश्वविद्यालय कृतज्ञता ज्ञापित करता है।

कुलसचिव